MUMBAI TARANG™

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-36 ❖ मुंबई ❖ रविवार 29 अगस्त से 04 सितंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

सोच का ही फ़र्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मज़बूत बनाने आती हैं...

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
बीजेपी में किसी बांग्लादेशी की तरह हैं नारायण राणे - संजय राउत

पेज 5
जनधन योजना के 7 साल-पीएम मोदी बोले- इस योजना से हुआ अनगिनत भारतीयों का सशक्तीकरण, जानें क्या कहते हैं आंकड़े

पेज 7
अमिताभ के घर में पानी की किल्लत, बोले- 'सुबह उठा तो पानी नहीं आ रहा था...मुश्किल भरा रहा दिन'

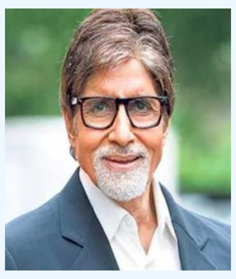

पेज 8
भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक साथ ठप रहने के बाद ट्विटर और ट्वीटडेक की सेवाएं शुरू

बीएमसी समेत अन्य निकाय चुनावों की तारीख को आगे बढ़ाएगी ठाकरे सरकार?

अजित पवार ने दिए संकेत

→ महाराष्ट्र में आगे बढ़ सकती है महानगर पालिका चुनावों की तारीख
→ स्थानिय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर फंसा पेंच
→ जबतक ओबीसी आरक्षण नहीं मिलता तबतक चुनाव ना कराने की मांग सभी दलों ने की है

पुणे, राज्य में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर मचे बवाल को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार मुंबई, पुणे, कोल्हापुर समेत अन्य महानगरपालिका चुनावों की तारीख को आगे बढ़ा सकती है। इस बात के संकेत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान दिए हैं। चुनाव आयोग ने कोरोना नियमों का पालन करते हुए चुनाव करवाने का आयोजन प्रबंध किया है। हालांकि ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर जब तक फैसला नहीं आता, तब तक चुनाव ना करवाया जाए। इस प्रकार का दबाव भी सरकार पर है। इस वजह से आने वाले समय में पहले से तय महानगर पालिका के चुनावों को आगे बढ़ाने की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। राज्य में पुणे, मुंबई, कोल्हापुर समेत कई महानगर पालिका के चुनाव प्रस्तावित हैं।

ओबीसी आरक्षण पर हुई बैठक

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शुक्रवार को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सभी दलों के नेताओं की बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में मुख्यमंत्री अजीत पवार, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर अशोक चव्हाण, उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे और छगन भुजबल समेत सरकार के तमाम ओबीसी नेता मौजूद थे। जबकि विपक्ष से देवेंद्र फडणवीस, प्रवीण दरेकर, विधायक कपिल पाटिल समेत सभी दलों के नेता मौजूद थे। ओबीसी राजकीय आरक्षण पर सब एकमत शुक्रवार को ही बैठक में ओबीसी राजकीय आरक्षण ओबीसी समाज को राजनीति में भी आरक्षण मिलना चाहिए। इस मुद्दे पर सभी दलों ने अपनी सहमति जताई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राजनीतिक आरक्षण में आने वाली तमाम अड़चनों को दूर करने के लिए सबके सुझावों का स्वागत किया गया है। देवेंद्र फडणवीस ने आरक्षण मिलने के पहले स्थानीय निकाय चुनावों को ना कराए जाने की वकालत की है। वरना इससे ओबीसी समाज का काफी नुकसान होगा।

काबुल एयरपोर्ट धमाके के बाद मुंबई में बढ़ाई सुरक्षा, संवेदनशील ठिकानों के आसपास तैनात है पुलिस

मुंबई, अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर मिलिट्री गेट के पास सीरियल ब्लास्ट की घटना सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पुलिस के अहम पदाधिकारियों की पूरी घटना पर नजर है। मुंबई पुलिस के जवान उन संवेदनशील जगहों पर तैनात हैं, जहां विदेशी पर्यटकों की तादाद अधिक रहती है। इसके अलावा एयरपोर्ट के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सभी ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास जांच प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हालांकि, कोविड नियमों के चलते इन जगहों पर कम लोग ही दिखाई देते हैं। पुलिस सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रख रही है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील की है। गौरतलब है कि गुरुवार शाम को काबुल एयरपोर्ट पर आतंकी हमले में खबर लिखे जाने तक 11 लोगों के मारे जाने और 15 लोगों के जख्मी होने की जानकारी मिली है।

तो इस दिन होंगे महाराष्ट्र में दसवीं, बारहवीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम, वर्षा गायकवाड ने बताई डेट!

मुंबई, महाराष्ट्र की स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर वर्षा गायकवाड ने 10वीं और 12वीं की सप्लीमेंट्री यानी पूरक परीक्षाओं की तारीख के संदर्भ में महत्वपूर्ण घोषणा की है। कोरोना महामारी की वजह से महाराष्ट्र सरकार ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया था। वैकल्पिक मूल्यांकन व्यवस्था के जरिए बोर्ड ने रिजल्ट जाहिर किए थे। घोषित किए थे इस रिजल्ट में जो विद्यार्थी पास नहीं हो पाए थे और जो ए. टी. के.टी. के लिए पात्र हैं। ऐसे विद्यार्थियों के सप्लीमेंट्री एग्जाम सितंबर और अक्टूबर महीने में करवाए जाएंगे। राज्य माध्यमिक शिक्षण शिक्षा मंडल इस संबंध में तारीखों का ऐलान भी किया है। दसवीं की परीक्षा कब ? बोर्ड द्वारा जारी की गई तारीखों के मुताबिक दसवीं की परीक्षा बुधवार 22 सितंबर से लेकर 8 अक्टूबर के बीच करवाई जाएगी। जिन विद्यार्थियों ने 10वीं में पूरक परीक्षाओं के लिए प्रार्थना पत्र दिए हैं। वह इस संदर्भ में अपने स्कूल से संपर्क साध कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बारहवीं की परीक्षा कब? महाराष्ट्र में बारहवीं की पूरक परीक्षाएं 16 सितंबर से लेकर 11 अक्टूबर के बीच करवाई जाएंगी जबकि 12वीं के वोकेशनल कोर्स की परीक्षा 16 सितंबर से 8 अक्टूबर के दरमियान पूरी करवाई जाएंगी यह जानकारी बोर्ड की तरफ से दी गई है। कहां मिलेगी पूरी जानकारी दसवीं और बारहवीं की पूरक परीक्षाओं के संदर्भ में सभी जानकारी महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल, पुणे कि वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है। इस वेबसाइट पर जाकर आपको परीक्षा से संबंधित सभी जानकारियां प्राप्त हो जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने दी अधिकारियों को बड़ी राहत सेवा के दौरान हुई मृत्यु तो परिवार के सदस्य को नौकरी!

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के सभी अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। वर्तमान में सरकारी सेवा में ग्रुप 'क' या ग्रुप 'ड' के कर्मचारियों की मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र सदस्य को अनुकंपा के आधार पर सरकारी सेवा में नियुक्त किया जाता है। कल राज्य मंत्रिमंडल ने ग्रुप 'ए' और ग्रुप 'बी' अधिकारियों के मामले में भी इस अनुकंपा नीति को लागू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यानी ग्रुप 'ए' और 'बी' ग्रुप के अधिकारियों के लिए भी अब अनुकंपा नीति लागू होगी।

कोविड में अनेक अधिकारियों की मौत हो चुकी है और अधिकारी संगठनों ने भी इस अनुकंपा नीति को लागू करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने इस मांग के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत कल वैâबिनेट बैठक में इस संदर्भ में प्रस्ताव लाया गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया। सरकार के इस निर्णय से राज्य में संकट के कारण जान गंवाने वाले अधिकारियों के परिवारों को आर्थिक रूप से बड़ी राहत मिलेगी। ग्रुप 'ए' या ग्रुप 'बी' में किसी अधिकारी की मृत्यु के मामले में, उसके परिवार के एक पात्र सदस्य की ग्रुप 'क' या ग्रुप 'ड' अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की जाती है। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्तियों के लिए विभिन्न आदेशों को संकलित करते हुए, महाराष्ट्र राज्य सरकार ने अनुकंपा नियुक्ति नियम २०२१ तैयार करने की मंजूरी दी है, जो अनुकंपा नियुक्तियों के संबंध में प्रशासनिक कठिनाइयों को दूर करेगा। इसके अलावा परिवार न्यायालय में सीधे न्यायाधीशों की नियुक्ति व वेतनमान, राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, अधिनियम-१९९७ की धाराओं में संशोधन करने, आशा ने स्वयंसेवकों और समूह प्रमोटरों के पारिश्रमिक में वृद्धि करने, केंद्रीय योजनाओं (वित्त विभाग) के वितरण एवं विनियोग प्रबंधन हेतु बैंक खाते खोलने हेतु दिशा-निर्देशों में संशोधन, कृषि आधारित और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के तहत बड़े पैमाने पर परियोजनाओं के लिए निर्धारित निवेश, रोजगार मानदंड और प्रोत्साहन में सुधार करने जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय कल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई वैâबिनेट की बैठक में लिए गए।

आरबीआईः दिसंबर तक आ सकती है केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी, ट्रायल सफल रहा तो बड़े स्तर पर होगी लांचिंग

डिजिडल करेंसी की राह देख रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। दअसल, भारत में दिसंबर तक आरबीआई की अपनी डिजिटल करेंसी लांच कर सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शिशकांत दास का कहना है कि दिसंबर में डिजिटल करेंसी को ट्रायल के तौर पर लाया जाएगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो इसे बड़े स्तर पर लांच किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले में जल्दबाजी नहीं करना चाहते। इसलिए केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी को लेकर ज्यादा सावधानी बरत रही है। क्रिप्टोकरेंसी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच केंद्रीय बैंक का यह बयान और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही 2018 के एक सर्कुलर को खारिज कर चुका है, जिसमें आरबीआई ने क्रिप्टोकरेंसी व बिटक्वाइन के माध्यम से किसी व्यक्ति व संस्था को सुविधा मुहैया कराने वाले बैंक को बैन करने का प्रावधान किया था। डिप्टी गवर्नर भी कर चुके हैं इशारा पिछले महीने भारतीय रिवर्ज बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर भी इस ओर इशारा कर चुके हैं कि भारत जल्द ही अपनी डिजिटल करेंसी को लांच कर सकता है। हालांकि, उन्होंने यह साफ किया था कि बैंक इस मामले में कोई भी जल्दबाजी नहीं करना चाहता। इसलिए वह सभी पहलुओं की जांच के बाद ही डिजिटल करेंसी को बाजार में उतारेगा। उन्होंने बताया कि इस मुद्रा का प्रयोग कागजी मुद्रा की जगह आदान-प्रदान के लिए किया जा सकेगा। वहीं चीन ने पहले से ही डिजिटल मुद्रा पर प्रयोग शुरू कर दिया है। कागजी मुद्रा पर निर्भरता खत्म करने व ट्रांजेक्शन को कम करने के लिए पिछले कई सालों से डिजिटल करेंसी की वकालत हो रही है। केंद्रीय बैंक का कहना है कि डिजिटल करेंसी से रियल टाइम ट्रांजेक्शन तो होगा ही साथ ही करेंसी के वैश्वीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

ISIS-K का भारत कनेक्शन-केरल के 14 लोग काबुल हमले के गुनाहगार खुरासान आतंकी समूह से जुड़े, तालिबान ने इन्हें अफगानी जेल से आजाद किया था

काबुल एयरपोर्ट पर आत्मघाती हमला करने वाले आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत का भारतीय कनेक्शन सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल के 14 लोग इस समूह से जुड़े हैं। ऐसे में भारत को चिंता है कि इन लोगों को आतंकी गतिविधियों में शामिल करके आतंकी सूमह भारत का नाम खराब कर सकते हैं।

खबर के मुताबिक, तालिबान ने अफगानी प्रांतों पर कब्जा करने के बाद जेलों में बंद अपने लड़ाकों को आजाद कराया था। इन्हीं में बगराम जेल से रिहा किए गए केरल के 14 लोग भी हैं, जिन्होंने खुरासान प्रांत के इस्लामिक स्टेट को जॉइन किया है।

2014 में केरल से भागकर इस्लामिक स्टेट में शामिल हुए ऐसा माना जा रहा है कि इन 14 लोगों में से किसी एक ने केरल में अपने घर से संपर्क किया था, जबकि बाकी सभी लोग काबुल में इस समूह के साथ हैं।

जब 2014 में इस्लामिक स्टेट ऑफ सीरिया एंड लेवांट ने मोसुल पर कब्जा किया, तो केरल के मल्लापुरम, कासरगोड और कन्नूर जिले से भागकर कई स्थानीय इस समूह से जा मिले। इनमें से कई अफगानिस्तान के नंगरहार आकर ISKP से जुड़े।

काबुल में आतंकी धमाके

काबुल एयरपोर्ट पर गुरुवार को हुए आत्मघाती हमले ने अफगानिस्तान में उस भीषण दौर की शुरुआत का संकेत दे दिया है जिसकी आशंका थी। कैसी त्रासदी है कि तालिबान शासन में होने वाली दुर्गति से बचने के लिए किसी भी कीमत पर वहां से निकलने को बेकरार लोग एक तरफ विमान के पहियों के नीचे आने या आसमान से गिरने जैसे अंजाम को पहुंच हो रहे हैं तो दूसरी तरफ आतंकी हमले का शिकार हो रहे हैं। लेकिन गुरुवार की घटना में मारे जाने वालों में सिर्फ अफगानिस्तान के लोग नहीं हैं। वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद कर रहे 13 अमेरिकी सैनिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी है।

निश्चित रूप से अमेरिका में इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी। लेकिन अमेरिकी सरकार के सामने फिलहाल ज्यादा विकल्प नहीं हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान से भी इसका संकेत मिलता है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका इसे न तो भूलेगा और न ही माफ करेगा। इसके लिए जिम्मेदार लोग जहां कहीं भी होंगे उन्हें हर हाल में ढूंढकर उनके किए की सजा दी जाएगी। साफ है कि यह एक लंबा काम है। फिलहाल उनका भी ध्यान जान माल का और कोई नुकसान झेले बगैर वहां से वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने पर लगा है।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि महीने के आखिर तक वापसी की यह प्रक्रिया संपन्न हो जाने के बाद अफगानिस्तान का क्या होगा और जो भी होगा, उसका आसपास के देशों पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। अब तक मुख्य चिंता यही सामने आ रही थी कि तालिबान का शासन आधुनिक मूल्यों में यकीन रखने वाले अफगानों, वहां की महिलाओं और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक करेगा। पंजशीर से भले तालिबान की ओर चुनौती उछाली जा रही हो, मगर दोनों पक्षों में सीधे टकराव के हालात नहीं बने थे। दोनों के अपने अलग इलाके थे। मगर आईएसआईएस- के की ओर से किया गया ताजा आतंकी हमला बताता है कि वह तालिबान के लिए लंबा सिरदर्द साबित होने जा रहा है। अफगानिस्तान के ग्रामीण क्षेत्रों में अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई में दोनों पहले से ही टकराते रहे हैं। आईएसआईएस का कहना है कि तालिबान अमेरिकियों की मिलीभगत से अफगानिस्तान में काबिज हुए हैं। जाहिर है, उसकी ओर से तालिबानी शासन को ऐसी चुनौतियां मिलती रहने वाली हैं। यह चुनौती कितनी कमजोर या मजबूत होगी और आखिरकार इस रस्साकशी में दोनों में से कौन भारी पड़ेगा, इससे बाहरी दुनिया को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला। दोनों की यह लड़ाई बेकसूरों की जान लेते हुए आगे बढ़ेगी और वहां के समाज को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाती चलेगी। यही नहीं, अपना ज्यादा प्रभाव साबित करने के चक्कर में ये अफगान सीमा के बाहर भी आतंकी वारदात को अंजाम देने की कोशिश करने से नहीं चूकेंगे। कुल मिलाकर भविष्य के लिए संकेत अच्छे नहीं हैं।

अहम है यह आम राय

किरीट ए. चावड़ा

अफगानिस्तान के विषम हालात पर केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक अपने उद्देश्यों में सफल हुई कही जा सकती है। तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से ही वहां से विचलित करने वाली तस्वीरें, वीडियो और खबरें आ रही हैं। ऐसे में आम लोगों के बीच ही नहीं तमाम राजनीतिक दलों के मन में भी यह सवाल उठना लाजिमी था कि आखिर हमारी सरकार इस पूरे घटनाक्रम को किस रूप में देख रही है। अफगानिस्तान के साथ न केवल हमारा सदियों पुराना रिश्ता रहा है, बल्कि वहां हाल के वर्षों में हमने बड़े पैमाने पर निवेश भी किया है। इसके अलावा वहां पैदा हुई राजनीतिक अस्थिरता आम तौर पर पूरी दुनिया और खास तौर पर दक्षिण एशिया की शांति के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है। सर्वदलीय बैठक में

सरकार ने साझा चिंता के इन तमाम बिंदुओं को संबोधित किया और जहां तक संभव था अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कहा कि अफगानिस्तान में मौजूदा हालात अच्छे नहीं हैं, लेकिन फिलहाल भारत की पहली प्राथमिकता है वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना। तमाम मुश्किलों के बावजूद वह अपना यह अभियान जारी रखे हुए है। जहां तक अन्य पहलुओं की बात है तो भारत सरकार तमाम मित्र देशों से संपर्क में है, वहां शांति और व्यवस्था स्थापित करने के साथ ही वैकल्पिक सरकार गठन की कोशिशों पर भी बात हो रही है, लेकिन इस मामले में धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। ऐसे मामले जल्दबाजी में तय नहीं होते।

विदेश मंत्री ने यह कहने में भी कोई संकोच नहीं किया कि तालिबान दोहा में किए गए अपने वादों पर कायम नहीं रहे। वहां तय हुआ था कि काबुल में अफगान समाज के हर तबके की नुमाइंदगी वाली सरकार के जरिए धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र को सुनिश्चित किया जाएगा। फिर भी, उन्होंने यह साफ किया कि सरकार अफगानिस्तान में हरेक स्टेक होल्डर से संपर्क बनाने और संवाद प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश कर रही है। लेकिन जहां तक रुख तय करने की बात है तो फिलहाल तो 'वेट एंड वॉच' की पॉलिसी ही सबसे उपयुक्त है। इसे भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का सबूत ही कहा जाएगा कि घरेलू राजनीति में कई मसलों पर एक-दूसरे का तीव्र विरोध कर रहे तमाम दल अफगानिस्तान के सवाल पर सरकार के सुर में सुर मिलाए नजर आए। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमाम दलों की भावना को व्यक्त करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है, वह पूरे देश की समस्या है। कहने की जरूरत नहीं कि सही मौके पर उभर आने वाली ऐसी राजनीतिक सर्वसम्मति बेहद अहम होती है। यह जहां विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार को ताकत देती है, वहीं देश में लोकतंत्र की जड़ को मजबूत बनाती है।

शादी बचाने के लिए क्या रेप होने दिया जाए?

जिगर डी वाढेर

केरल हाई कोर्ट ने पिछले दिनों कहा कि मैरिटल रेप, तलाक का मजबूत आधार है। यूं तो मैरिटल रेप को लेकर भारत में पिछले कई सालों से बहस चल रही है, लेकिन अभी तक भारत में इसे अपराध नहीं माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में एक फैसले में यह जरूर कहा कि अगर पत्नी नाबालिग है तो वह पति के खिलाफ रेप का केस दर्ज करा सकती है। हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने इसे तलाक के आधार के तौर पर मान्यता दे दी है, लेकिन छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने इसी सप्ताह एक मामले में पति के खिलाफ तय किए गए रेप के आरोप को यह कहते हुए अवैध करार दिया कि पत्नी अगर बालिग है तो पति के खिलाफ रेप का केस नहीं हो सकता। ऐसे में मैरिटल रेप को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

कानून क्या कहता है

आईपीसी की धारा-375 में रेप को परिभाषित किया गया है और उसी में मैरिटल रेप यानी पति द्वारा 15 साल से ज्यादा उम्र की पत्नी के साथ बनाए गए संबंध को रेप का अपवाद माना गया है। कानून कहता है कि अगर कोई शख्स किसी महिला के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ संबंध बनाता है तो वह रेप होगा। महिला की उम्र अगर 18 साल से कम है तो उसकी सहमति के मायने नहीं हैं। यानी 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ उसकी सहमति से बनाए गए संबंध भी रेप की श्रेणी में आएंगे। इसी तरह अगर कोई लड़की 15 साल से कम उम्र की है और उसके पति ने उससे संबंध बनाए तो वह रेप होगा। लेकिन पत्नी नाबालिग है और उम्र 15 साल से ज्यादा तो उसके साथ संबंध बनाना रेप के दायरे में नहीं आएगा। अक्टूबर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में इस अपवाद को निरस्त कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर पत्नी की उम्र 15 साल से 18 साल के बीच है और मर्जी के खिलाफ उससे संबंध बनाए जाते हैं तो वह पति के खिलाफ रेप का केस दर्ज करा सकती है। हालांकि पत्नी अगर बालिग है तो मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत वह अपने पति के खिलाफ रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती।

इस संदर्भ में केरल हाई कोर्ट का फैसला आगे की ओर एक कदम बढ़ाता है। उसने कहा कि पत्नी की मर्जी के खिलाफ संबंध बनाना मैरिटल रेप है। इस पर सजा तो नहीं हो सकती, लेकिन यह मानसिक और शारीरिक क्रूरता के दायरे में आता है। कानून में क्रूरता को पहले से तलाक का आधार माना गया है। हाई कोर्ट ने उसी प्रावधान की व्याख्या की और कहा कि मैरिटल रेप भी मानसिक और शारीरिक क्रूरता के दायरे में है और वह तलाक का आधार है।भारत में पिछले कई सालों से इस बात को लेकर बहस चल रही

है कि मैरिटल रेप को आईपीसी में अपवाद बनाया जाना कितना सही है। लड़की अगर शादीशुदा नहीं है तो उसकी मर्जी के खिलाफ संबंध रेप की श्रेणी में आता है। ऐसे में शादीशुदा लड़की की मर्जी के खिलाफ संबंध रेप की परिभाषा में क्यों नहीं आना चाहिए? यह समानता के अधिकार का उल्लंघन है। इसे महिलाओं के संवैधानिक अधिकार का भी उल्लंघन बताया जाता है। इस दलील के बरक्स केंद्र सरकार का स्टैंड है कि मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से विवाह संस्था की बुनियाद हिल जाएगी और इस कानून के रूप में पतियों को प्रताड़ित करने का टूल मिल जाएगा। पति-पत्नी के बीच शारीरिक संबंधों के मामले में अगर मैरिटल रेप का केस सामने आता है तो यह सचमुच रेप है या नहीं, यह पत्नी के बयान पर निर्भर करेगा। ऐसे मामले में साक्ष्य की सीमाएं क्या होंगी? लॉ कमिशन और संसदीय कमिटी ने परीक्षण किया था और उनकी सिफारिश में मैरिटल रेप को अपराध की श्रेणी में न रखने की बात कही गई थी। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों और रेप के साथ-साथ पोक्सो कानून पर भी नजर डालना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने एडल्टरी कानून को गैर-संवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। उसका कहना था कि एडल्टरी कानून महिला को पति का गुलाम बना देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कहा था कि स्वायत्तता का अधिकार, व्यक्तिगत इच्छा का अधिकार और गरिमा का अधिकार संवैधानिक अधिकार हैं। इस दायरे मे सेक्सुअल स्वायत्तता भी आती है। एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने दो बालिगों के बीच सहमति से बनाए गए समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा-377 के बाकी प्रावधान बरकरार रखा था। इसके तहत जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाना अपराध है।

बहस की गुंजाइश रेप लॉ के मुताबिक महिला के शरीर के किसी अंग में पुरुष जबरन प्राइवेट पार्ट डालता है तो वह बलात्कार है। ऐसे में किसी मामले में यह बहस उठ सकती है कि पति को रेप कानून की आड़ में प्रोटेक्शन मिलेगा या फिर अप्राकृतिक संबंधों के मामले में उस पर शिकंजा कसा जाएगा? दूसरी तरफ एडल्टरी केस में सुप्रीम कोर्ट सेक्सुअल स्वायत्तता की बात करता है तो उसका दायरा क्या है? क्या सेक्सुअल स्वायत्तता के तहत पत्नी को हां या ना कहने का अधिकार नहीं होना चाहिए? अब अगर हम पोक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट 2012) कानून को देखें तो उसके तहत भी जबर्दस्त विरोधाभास है। इस कानून में 18 साल से कम उम्र के तमाम बच्चों को सेक्सुअल ऑफेंस से प्रोटेक्ट करने की बात है। पोक्सो एक्ट के तहत सहमति के कोई मायने नहीं होते। तो क्या 18 साल से कम उम्र की पत्नी पोक्सो के तहत प्रोटेक्टेड नहीं है? मैरिटल रेप को कानून के दायरे में लाने से परिवार संस्था पर असर पड़ने की बात एक हद तक सही हो सकती है, इसके दुरुपयोग की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इन आधारों पर मैरिटल रेप को लेकर शुरू हुई बहस की गंभीरता कम नहीं हो जाती।

सरकार क्यों लीज पर देने जा रही है संपत्ति

भूपेन्द्र पटेल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी संसाधनों को लीज पर देकर अगले चार वर्षों में छह लाख करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) नाम की यह योजना इसी साल लाने की बात उन्होंने इस बार के अपने बजट भाषण में कही थी। एनएमपी का सीधा संबंध पिछले साल घोषित नैशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) से है। एनआईपी सौ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की एक बृहद इन्फ्रास्ट्रचर योजना है, जिसको अभी 111 लाख करोड़ रुपये की बताया जा रहा है। दरअसल, मोदी सरकार बहुत बड़े आंकड़ों के जरिये दुनिया को यह संकेत देना चाहती है कि भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर कुछ वैसा ही घटित हो रहा है, जैसा 1930 के दशक में अमेरिका में हुआ था, या फिर पिछले तीसेक वर्षों में चीन में हुआ है।

क्या पैसा आएगा?

इसके लिए 100 करोड़ रुपये से ऊपर की 7320 ढांचागत परियोजनाओं को एक ही सूची में डाल दिया गया है और इनको अमल में उतारने का काम केंद्र सरकार (39 प्रतिशत), राज्य सरकारों (40 प्रतिशत) और प्राइवेट सेक्टर (21 प्रतिशत) को मिलकर करना है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन इसी के लिए पैसा जुटाने की एक कवायद है। यह योजना अभी घोषित तो हो गई है लेकिन इससे पैसे कितने आएंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। एनआईपी के लिए सरकारी धन एनएमपी के अलावा सरकारी खजाने और विनिवेश से आना है। इसमें सरकारी खजाने का भरना या खाली रहना अर्थव्यवस्था की गति और उससे होने वाले टैक्सेशन पर निर्भर करता है। लेकिन एनएमपी और विनिवेश से, यानी सरकारी परिसंपत्तियों को निजी उपयोग के लिए देने पर आने वाले पैसों को लेकर कुछ समझ बनानी हो तो पिछले साल के एक आंकड़े पर गौर कर सकते हैं।

सन 2020 के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने विनिवेश के जरिये अगले (अभी पिछले) वित्त वर्ष में 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की थी। लेकिन वास्तव में खींच-तानकर यह रकम 19,499 करोड़ रुपये तक पहुंच पाई, जो लक्ष्य का बमुश्किल 9 फीसदी था। इस हकीकत को ध्यान में रखकर ही मौजूदा वित्त वर्ष में विनिवेश का लक्ष्य 1 लाख 75 हजार करोड़ रखा गया। हालात तब से अब तक कुछ सुधरे जरूर हैं, पर इतने नहीं कि इस वित्त वर्ष के बचे हुए सात महीनों में एनएमपी के मद में 88 हजार करोड़ रुपये और जुटाए जा सकें।

तो एक मामला नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन से जुड़े लक्ष्यों के यथार्थपरक होने से जुड़ा है। लेकिन लोगों में चर्चा इस बात की ज्यादा है कि सरकार इतने लंबे समय में खड़े किए गए महत्वपूर्ण संसाधनों को औने-पौने किसी को भी बेच देने पर आमादा है। विनिवेश के मामले में ऐसा हमने बार-बार होते देखा है। मोदी सरकार इस किस्से को ज्यादा तूल न पकड़ने देने को लेकर सतर्क है लिहाजा वित्त मंत्री ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोर देकर कहा कि एनएमपी में ब्राउनफील्ड यानी पहले से खड़े संसाधन प्राइवेट सेक्टर को लीज पर दिए जाएंगे। उन्हें बेचा नहीं जाएगा, उनका स्वामित्व सरकार के ही पास बना रहेगा।

ये संसाधन कौन से हैं? सबसे ज्यादा सड़कें (कुल संभावित रकम का 27 प्रतिशत), फिर रेलवे (25 प्रतिशत), बिजली (15 प्रतिशत), तेल और गैस पाइपलाइनें (8 प्रतिशत) और टेलिकॉम (6 प्रतिशत)। बचे 19 प्रतिशत में हवाई अड्डे, बंदरगाह, गोदाम और स्पोर्ट्स स्टेडियम वगैरह शामिल हैं। ध्यान रहे, इन ढांचागत संसाधनों का काफी बड़ा हिस्सा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर की शर्तों से बंधा हुआ है। ऐसे मामलों में तो कोई लीज भी नहीं है फिर भी सारा कुछ बिल्ड-ऑपरेट में उलझा रह जाता है, ट्रांसफर की नौबत ही नहीं आती। एक छोटा सा उदाहरण दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले एक पुल का ले लें।

इसे बनाने वाली कंपनी ने अपनी लागत और मुनाफा काफी पहले निकाल लिया, फिर नोएडा टोलब्रिज नाम से शेयर बाजारों में अपना रजिस्ट्रेशन भी करा लिया। सड़क और पुल का मालिकाना सौंपने की बात यूपी सरकार की ओर से ही आ सकती थी, लेकिन कंपनी ने उसी को मैनेज कर लिया था। साल दर साल उसकी टोल वसूली चलती जा रही थी। हारकर कुछ नागरिक मामले को अदालत में ले गए तो वहां भी मुकदमा लंबा खिंचने लगा। फिर एक दिन फैसला आ गया कि कंपनी अपनी वसूली पूरी कर चुकी है, अब वह अपना टोल हटा ले। उसके बाद भी कुछ समय तक टोल चलता रहा। फिर लोगों ने जमा होकर उसे हटवाया तो बात बनी।

मिट्टी के मोल संपत्ति

कोई नहीं जानता कि छह लाख करोड़ जुटाने के लिए सरकारी संसाधन जब लीज पर दिए जाएंगे तो यह लीज कितने साल की होगी। निश्चित रूप से यह अवधि काफी लंबी होगी क्योंकि ये संसाधन किसी प्राइवेट पार्टी को अभी की हालत में अतिरिक्त पैसे नहीं देने वाले। इन्हें प्रॉफिटेबल बनाने के लिए उसे इनके इर्दगिर्द कुछ और ढांचे खड़े करने होंगे। मसलन, एक टोलदार सड़क से अतिरिक्त कमाई करने के लिए सड़क किनारे की जगहों का बेहतर उपयोग करना होगा- जैसे उन्हें ढाबों और मनोरंजन की जगहों के लिए सब-लीज पर देना। लेकिन ऐसे काम लंबी लीज की मांग करते हैं।

सरकारें संसाधनों का मालिकाना अपने हाथ में बने रहने की बात जरूर करती हैं लेकिन यह एक हवा-हवाई मामला ही हुआ करता है। एक जमीन को 99 साल की लीज पर देने के बाद उस पर अपने मालिकाने की बात आप पांच पीढ़ी आगे के लिए कर रहे होते हैं, जब दुनिया कुछ की कुछ हो चुकी होगी। यहां सौदे को आकर्षक बनाने के लिए सरकार के पास अकेला रास्ता उसे सस्ते से सस्ता रखने का है। मसलन, 2.86 लाख किलोमीटर लंबे देशव्यापी ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की लीज से 26,300 करोड़ आने की उम्मीद की गई है।

बीजेपी में किसी बांग्लादेशी की तरह हैं नारायण राणे - संजय राउत

मुंबई, शिवसेना सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे पर निशाना साधते हुए कहा है कि राणे बीजेपी में किसी बांग्लादेशी की तरह है। जिस तरह से बांग्लादेशी हिंदुस्तान में आकर देश को खराब करते हैं। उसी तरह से नारायण राणे बीजेपी को खराब कर रहे हैं। राउत ने कहा कि नारायण राणे से मौजूदा बीजेपी नेताओं को बचकर रहना चाहिए।

बीजेपी से दोस्ती बरक़रार

संजय राउत ने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन इस वजह से कोई किसी से जाति दुश्मनी नहीं पालता। लेकिन नारायण राणे के बीजेपी में शामिल होने के बाद से वह अपना एजेंडा चला रहे हैं और व्यक्तिगत दुश्मनी निभा रहे हैं। इसके पहले किसी पार्टी के कार्यकर्ता ने दूसरी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला नहीं किया था। ना ही एक दूसरे के कार्यालय पर पत्थरबाजी की थी। लेकिन बीते 2 साल से यह सब कुछ देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल हो या महाराष्ट्र या फिर अन्य राज्य जहां बीजेपी की सरकार है। वहां इसी तरह की पहली उठापठक शुरू है।

आरोपियों के साथ दिखे राउत

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को लेकर हाल में शिवसेना और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव और हिसंक झड़प देखने को मिली थी। नासिक में बीजेपी कार्यालय पर हमला करने के आरोपी शिवसैनिक संजय राउत के साथ दिखाई पड़े। जब राउत पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे तब वे सब उनके साथ मौजूद थे।

यह बात खुद संजय राउत ने मीडियाकर्मियों को बताई। उन्होंने कहा कि कुछ शिवसैनिक जो फ़िलहाल फरार चल रहे हैं। वो मेरे साथ में मौजूद हैं। इनकी अग्रिम जमानत याचिका के लिए जो संभव होगा मदद करेंगे। आज यह लोग मुझसे मिलने आए थे।

बीकेसी जंबो कोविड केंद्र में दान का आईसीयू! 30 बेड्स तैयार

मुंबई, मुंबई के सबसे बड़े बीकेसी जंबो कोविड सेंटर में 30 बेड का आईसीयू तैयार किया गया है। यह आईसीयू सीएसआर के तहत मिले दान से बनाया गया है। इस अत्याधुनिक आईसीयू को महज दी महीने में तैयार किया गया है। दान से बने इस आईसीयू का फायदा यहां भर्ती होनेवाले मरीजों को होगा। बता दें कि कोरोना की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए बीएमसी आईसीयू सुविधा बढ़ाने पर जोर दे रही है। इस कार्य में निजी संस्थाएं भी बीएमसी को सहयोग कर रही है। इसी कड़ी में अमेरिकेएर्स फाउंडेशन और फाइजर कंपनी आगे आयी है। बीकेसी जंबो कोविड सेंटर्स में आईसीयू और वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में उक्त कंपनी ने सीएसआर के तहत उपकरण उपलब्ध कराए थे। इन उपकरणों के जरिये बीकेसी जंबो में 30 बेड का आईसीयू बनाया गया। इस आईसीयू का अनावरण शुक्रवार को किया गया।

क्राइम किया तो हो जाओगे कैद!

विरार, वसई-विरार शहर में अब क्रिमिनलों की खैर नहीं है। उनके क्राइम कैमरों में कैद हो जा रहे हैं। हाल ही में पुलिस ने कई क्रिमिनलों को इन सीसीटीवी कैमरों की मदद से ही पकड़ा है। शहर में इस वक्त १,३९२ सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और ३९४ कैमरे और भी लगनेवाले हैं। बता दें कि शहर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों की जरूरत है, इसलिए पुलिस ने 'एक कैमरा शहर के लिए' अभियान शुरू किया था और लोगों से कैमरे लगाने की अपील की थी। व्यापारियों के साथ हुई बैठक में पुलिस उपायुक्त ने सड़क की दिशा में सीसीटीवी वैâमरा लगाने का आग्रह किया। सीसीटीवी कैमरे अपराध को रोकने और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। पुलिस पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रयास कर रही है। इसके मद्देनजर 'एक कैमरा शहर के लिए' मुहिम शुरू की गई थी। इसका अर्थ है कि अगर दुकान में एक कैमरा लगा है, तो दूसरा कैमरा सड़क की दिशा में लगाया जाए। नालासोपारा में साक्षी ज्वेलर्स के मालिक की लुटेरों ने हत्या कर दी थी। दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे, लेकिन दुकान के बाहर कोई कैमरा नहीं था। ज्वेलर्स एसोसिएशन की बैठक पुलिस ने व्यापारियों को दुकान के बाहर सड़क की दिशा में कैमरे लगाने की अपील की। चारों दिशाओं में घूमते हैं कैमरे मुख्य चौक और विभिन्न नाकों पर अब तक १,३९२ सीसीटीवी वैâमरे लगाए जा चुके हैं। वसई तालुका की वर्तमान आबादी को देखते हुए वैâमरों की संख्या अभी कम है। इसलिए एक कंपनी ने पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए आगे आकर ३९४ सीसीटीवी कैमरे जोन-२ और ३ क्षेत्र के अंतर्गत लगाने का पैâसला किया है। शहर मनपा क्षेत्र के प्रत्येक पुलिस स्टेशन परिसर के परिमंडल-२ में ८४० और परिमंडल-३ में ५५२ (स्थायी) फिक्स चारों दिशाओं में घूमनेवाले १,३९२ कैमरे लगाए गए हैं। ये सभी सीसीटीवी फिलहाल पूरी क्षमता से चल रहे हैं। ये कैमरे शहर के अहम जगहों पर काम कर रहे हैं। मुख्य नाके पर लगे सीसीटीवी को पास के एक प्रतिष्ठान द्वारा नियंत्रित किया जाता है और सभी कैमरे स्थानीय पुलिस द्वारा रिकॉर्ड किए जाते हैं।

नई ड्रोन नीति से नहीं पड़ेगा मुंबई के सुरक्षा घेरे पर असर!

मुंबई, केंद्र सरकार ने कल नई ड्रोन नीति घोषित कर दी। हालांकि इस नई ड्रोन नीति का देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था में तय किए गए मापदंडों और नियमों के अनुसार बिना अनुमति ड्रोन या यूएवी को महत्वपूर्ण स्थानों, संवेदनशील इलाकों और भारतीय सेना के ऊपर से उड़ने की इजाजत नहीं होगी।

मुंबई सबसे संवेदनशील महानगर माना जाता है। कुछ महीने पहले जम्मू-कश्मीर के वायु सेना के एयरबेस पर आतंकवादियों द्वारा ड्रोन से बम धमाके किए गए थे। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से निगरानी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस लिहाज से मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा गया है। मुंबई हवाई अड्डे, पुलिस आयुक्तालय, भारतीय नौसेना के प्रतिष्ठानों की परिधि से तीन किलोमीटर के क्षेत्र को 'नो फ्लाई जोन' के रूप में घोषित किया गया है। किसी व्यक्ति या सिविल एजेंसियों को इन क्षेत्रों के भीतर किसी भी हवाई ड्रोन अथवा मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) को उड़ाने की इजाजत नहीं है। ऐसी हवाई वस्तुओं को देखते ही नष्ट कर दिया जाएगा। साथ ही संबंधितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भारतीय नौसेना के जनसंपर्क अधिकारी मेहुल चोकसी के अनुसार ड्रोन के उपयोग को लेकर गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। नियमत: ड्रोन और यूएवी की उड़ान के लिए इजाजत लेनी पड़ती है। नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) से अनुमोदन प्राप्त करके उसकी एक प्रति निर्धारित उड़ान संचालन से एक सप्ताह पहले मुख्यालय, पश्चिमी नौसेना कमान के पास जमा की जानी चाहिए।

कोरोना से खुद रखें अपना ख्याल संपत्ति बेचने में व्यस्त है सरकार!... केंद्र पर राहुल गांधी ने बोला हमला

नई दिल्ली, सरकारी कंपनियों और संपत्ति के निजीकरण को लेकर केंद्र की मोदी सरकार ने फैसला किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ६ लाख करोड़ रुपए की नेशनल मोनेटाइजेशन पाइपलाइन यानी एनएमपी की घोषणा कर दी है। एनएमपी के तहत यात्री ट्रेन, रेलवे स्टेशन से लेकर हवाई अड्डा, सड़क और स्टेडियम का मौद्रिकरण शामिल है। सरकार का कहना है कि इन बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निजी कंपनियों को शामिल करते हुए संसाधन जुटाए जाएंगे और संपत्तियों का विकास किया जाएगा। सरकार के इस पैâसले से हाइवे, रेलवे और टेलीकॉम समेत १३ संपत्तियों की हिस्सेदारी निजी हाथों में चली जाएगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए लोगों से कहा कि कोरोना से खुद अपना ख्याल रखिए, क्योंकि सरकार बेचने में व्यस्त है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोविड-१९ महामारी के मामलों में बढ़ोतरी को चिंताजनक करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि टीकाकरण की गति तेज करने की जरूरत है ताकि अगली लहर में महामारी के गंभीर प्रभाव से बचा जा सके। राहुल गांधी ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की और राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस समय बेचने में लगी हुई है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, 'कोविड-१९ के मामलों में वृद्धि चिंताजनक है। टीकाकरण को गति दी जानी चाहिए ताकि अगली लहर में महामारी के गंभीर प्रभाव से बचा जा सके। कृपया अपना ध्यान रखें क्योंकि भारत सरकार बेचने में व्यस्त है। गौरतलब है कि एक दिन में कोविड-१९ के ४६,१६४ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३,२५,५८,५३० हो गई। वहीं उपचार करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर ३,३३,७२५ हो गई है।

आंगन बेचकर घर चलाना कौन सी काबिलियत?

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र में बैठे नीम-हकीमों ने अच्छी खासी दौड़ रही अर्थव्यवस्था को इतना बीमार कर दिया है कि अब इसका रेंगना भी दूभर हो गया है। तेजस्वी यादव ने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत एक अत्यंत सामाजिक-आर्थिक असमानता वाला देश है। अगर निजी क्षेत्र के हाथों में ही सबकुछ बेच दिया जाएगा तो कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा कौन करेगा? शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, नौकरी सबकुछ कमजोर वर्गों की पहुंच से बाहर हो जाएगा!तेजस्वी ने अपने अगले ट्वीट में लिखा, 'केंद्र में बैठे नीम हकीमों ने अच्छी खासी दौड़ रही अर्थव्यवस्था को इतना बीमार कर दिया है कि अब इसका रेंगना भी दूभर हो गया है। अब इसे जिंदा रखने के लिए इसी के अंग काट-काट कर देश की संपत्ति ये झोलाछाप निजी हाथों में बेच रहे हैं। आंगन बेचकर किसी तरह घर चलाना कौन सी काबिलियत है साहब?'

ट्रांस हार्बर ब्रिज ने पकड़ी रफ्तार!...देश के सबसे लंबे ब्रिज का निर्माण 67% पूरा

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने १५ जनवरी २०२० को मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (शिवड़ी-न्हावा शेवा) परियोजना का पहला गर्डर लॉन्च किया था। यह गर्डर पहले पैकेज के तहत शिवड़ी में लॉन्च किया गया था। २२ किमी लंबे देश के सबसे बड़े सी ब्रिज का गर्डर लॉन्च हुए करीब २० महीने हो रहे हैं और इस परियोजना का ६७ फीसदी वर्क पूरा हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की रफ्तार कितनी तेज है। इस परियोजना के पूरा होने पर मुंबई से नई मुंबई के बीच का सफर तय करना आसान हो जाएगा। सितंबर २०२३ में पूरा होगा काम मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक परियोजना का काम ६७ फीसदी पूरा हो चुका है। इस परियोजना का काम २३ मार्च २०१८ को शुरू किया गया था। ५४ महीने में इस परियोजना को पूरा करना है। एमएमआरडीए ने सितंबर २०२३ तक इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस परियोजना की कुल लागत १७,८४३ करोड़ रुपए है। १८० मीटर होगा सबसे लंबा गर्डर इस परियोजना के तहत २२ किमी लंबे सी ब्रिज के लिए करीब १० हजार गर्डर लॉन्च किए जाएंगे। इस परियोजना के तहत १८० मीटर का सबसे लंबा गर्डर लॉन्च किया जाएगा, जो कि देश का सबसे लंबा गर्डर होगा। १८० मीटर के ऐसे कुल ६ गर्डर लॉन्च किए जाएंगे। इसके अलावा १२० मीटर, ६० मीटर के भी गर्डर इस परियोजना के अंतर्गत लॉन्च किए जाएंगे। तीन देशों से आयात हो रहे गर्डर २२ किमी लंबे इस सी ब्रिज को पूरा करने के लिए १० हजार स्टील गर्डर रखे जाएंगे। ये गर्डर जापान, चीन और वियतनाम से आयात किए जा रहे हैं।

अब 'सिग्नल' करेगा ट्रैफिक कंट्रोल!

- महापौर ने किया उद्घाटन
- दो सिग्नल और लगाने की घोषणा

भिवंडी, भिवंडीकरों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जल्द निजात मिलनेवाला है। अब यहां सिग्नल शहर के ट्रैफिक को कंट्रोल करेगा। ट्रैफिक पुलिस की मांग पर शहर में तीन जगहों पर जल्द ही ट्रैफिक सिग्नल लगेंगे। १९ लाख रुपए के खर्च से लगनेवाले तीन सिग्नल में से लगे पहले सिग्नल का उद्घाटन महापौर प्रतिभा पाटील के हाथों किया गया।

मालूम हो कि एशिया की सबसे बड़ी पावरलूम नगरी भिवंडी में अभी तक ट्रैफिक सिग्नल नहीं था। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की कमी व सिग्नल के अभाव में जनता ट्रैफिक से परेशान थी। इस कारण शहर में बेतहाशा ट्रैफिक जाम होता था। भिवंडी शहर यातायात विभाग के सीनियर पीआई राजेंद्र मायने ने शहर के तीन मुख्य मार्गों पर नया सिग्नल बैठाने की मांग भिवंडी मनपा आयुक्त से की थी, जिसके बाद मनपा आयुक्त ने शहर की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तीन जगहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मंजूरी दी। इसमें से एक सिग्नल स्व. आनंद दिघे चौक पर लगाया गया, जिसका उद्घाटन २५ अगस्त को महापौर ने किया। महापौर ने बताया कि इसके कार्यान्वित होने के बाद कल्याण नाका के राजीव गांधी चौक व भादवड़ नाके पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। बता दें कि इस सिग्नल को शुरू करने से पहले मनपा द्वारा बंजारपट्टी नाके पर पुराने खराब ट्रैफिक सिग्नल की रिपेयरिंग कर उसे भी शुरू किया गया है। सिग्नल उद्घाटन के दौरान महापौर ने जनता से ट्रैफिक सिग्नल के नियमों का पालन करने की अपील की है। तीनों स्पॉट पर सिग्नल लगने के बाद ट्रैफिक जाम पर नियंत्रण लगेगा। जो भी वाहन चालक ट्रैफिक सिग्नल के नियमों को फॉलो नहीं करेगा, उस पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

माहुल में बनेगा जंबो ऑक्सीजन प्लांट!

मुंबई, कोरोना की तीसरी लहर से लड़ने के लिए मनपा ने ऑक्सीजन प्लांट लगाने की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। जगह-जगह प्लांट को दुरुस्त करने के साथ नए प्रोजेक्ट कई कंपनियों के सहयोग से लगाए जा रहे हैं। इसी के तहत मनपा की ओर से चेंबूर के माहुल रोड स्थित मनपा मैदान में ७२ मीट्रिक टन का जंबो ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम शुरू हो रहा है। यहां से सिलिंडर रिचार्ज भी किए जाएंगे। इसके लिए अलग से बीपीसीएल ने १.५ किमी लंबी ऑक्सीजन पाइपलाइन बिछाई है। यहां ऑक्सीजन सिलिंडर बॉटलिंग सुविधा योजना बनाने का काम शुरू है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की मुंबई रिफाइनरी ने इस परियोजना के लिए करीब ४ करोड़ रुपए की मदद की है। गुरुवार को मनपा के अतिरिक्त आयुक्त पी. वेलारासु ने बीपीसीएल की ओर से ऑक्सीजन प्लांट के लिए दिए गए संयंत्र को स्वीकार किया। अगले डेढ़ महीने में यह प्रोजेक्ट बनकर तैयार हो जाएगा। पीईएसओ सर्टिफिकेशन मिलते ही यह प्रोजेक्ट चालू हो जाएगा। इस मौके पर मनपा और बीपीसीएल के तमाम अधिकारी उपस्थित थे। बीपीसीएल मुंबई रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक सुब्रमण्यम अय्यर, मुख्य प्रबंधक एन. चंद्रशेखर, प्रबंधक बीजू के. जॉर्ज, मनपा के उपायुक्त रमाकांत बिरदार और 'एम' पश्चिम वॉर्ड के सहायक आयुक्त विश्वास मोटे आदि लोग उपस्थित थे। मनपा ने कुल २ कंप्रेसर, १ बफर वेसल, ४ स्किड्स आदि समान खरीदकर परियोजना का निर्माण शुरू किया है। इस परियोजना पर करीब ११ करोड़ रुपए खर्च होने हैं।

बंद हुआ बलात्कारी विधायक!... अपराध की फितरत ने पहुंचाया जेल

मुंबई, अपने क्षेत्र के लोगों के जान-माल की सुरक्षा, बिजली, पानी, अच्छी सड़कें, बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं, बच्चों की शिक्षा के लिए अच्छे स्कूल, कॉलेज बेरोजगारों के लिए रोजगार का प्रबंध कराना एक आदर्श जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है। लेकिन वर्तमान राजनीति का अपराधीकरण हो जाने से जनप्रतिनिधियों से इस तरह की उम्मीद बेमानी हो गई है। अब तो जनप्रतिनिधि ही क्षेत्र की बेटियों को अगवा करके अपनी हवस का शिकार बना रहे हैं। फिरौती के लिए उद्यमियों को, उनके परिजनों को अगवा करवाते हैं। ऐसी खबरें अब आम हो गई हैं। मेघालय में ५ साल पहले घटित हुआ बलात्कार का एक मामला इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है।

वर्ष २०१६ के अंत में एक १४ साल की नाबालिग लड़की से किए गए बलात्कार के मामले में आरोपी एक तत्कालीन विधायक था, जिसे अब अदालत ने २५ साल बाद कैद की सजा सुनाई है।

मेघालय के पूर्व विधायक जूलियस किटबोक डोरफांग को री-भोई जिले की एक विशेष अदालत ने बच्ची से बलात्कार के मामले में १३ अगस्त को दोषी करार दिया था, जिसे बीते मंगलवार को अदालत ने २५ साल की वैâद की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश (बाल यौन अपराध संरक्षण-पोक्सो)

फेब्रोनियस सिल्कम संगमा ने डोरफांग पर १५ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसी मामले में डेरिशा मैरी खारबामोन, मामोनी परवीन और उनके पति संदीप बिस्वा पर लड़की को अपराध के लिए लाने और उससे वेश्यावृत्ति कराने के आरोप में दोषी करार दिया है और उन तीनों को उम्रवैâद की सजा सहित उन पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पुलिस के छापे में खुला था राज

कहते हैं कि जब पाप का घड़ा भर जाता है तो खुद-ब-खुद फूट जाता है। पूर्व विधायक जूलियस किटबोक डोरफांग द्वारा बलात्कार मामले का खुलासा भी कुछ इसी तरह से हुआ था। वर्ष २०१६ के दिसंबर महीने में पुलिसिया छापेमारी में एक सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ था। पुलिस ने राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री एचडीआर लिंगदोह के बेटे के गेस्ट हाउस से एक वेटर को गिरफ्तार किया था।

उसी दौरान गेस्ट हाउस के पास से एक नाबालिग पीड़िता को छुड़ाया गया, जिसने बाद में राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग को बताया कि वह सेक्स रैकेट चलानेवाले गिरोह के चंगुल में फंस गई थी।

उसे कई गेस्ट हाउस और होटलों में ले जाया जाता था। पुलिस ने कई कोणों से इस घटना की जांच की तो कथित सेक्स रैकेट के आरोपियों में नेताओं की भूमिका का भी खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि नाबालिग पीड़िता के साथ १५ दिसंबर, २०१६ को गृह मंत्री एचडीआर लिंगदोह के बेटे के गेस्ट हाउस में ही रेप किया गया था और बलात्कारी एक तत्कालीन विधायक था, जिसकी पहचान जूलियस डोरफांग के रूप में सामने आई।

शोध में दावा-भारत में मौजूद यह वैक्सीन डेल्टा वैरिएंट्स पर असरदार, समय के साथ बढ़ती रहती है इम्यूनिटी

मनोज जोशी

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन को वैज्ञानिक सबसे प्रभावी हथियार मान रहे हैं। संक्रमण से सुरक्षा के लिए दुनियाभर में अब तक कई कंपनियों ने वैक्सीन तैयार कर ली है, हालांकि जिस तरह से कोरोना के नए और अधिक संक्रामक वैरिएंट्स सामने आ रहे हैं, ऐसे में वैक्सीन की प्रभावशीलता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। हाल के कुछ अध्ययनों में कहा जा रहा है कि कोरोना के नए वैरिएंट्स शरीर में बनी प्रतिरोधक क्षमता को आसानी से चकमा दे सकते हैं, ऐसे में कौन सी वैक्सीन इन नए वैरिएंट्स पर ज्यादा असरदार हो सकती है, इस बारे में जानने के लिए लगातार शोध किया जा रहा है।कोरोना के नए वैरिएंट्स पर वैक्सीन की प्रभाविकता को लेकर किए जा रहे अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बड़ा खुलासा किया है। वैज्ञानिकों ने स्पूतनिक-वी वैक्सीन को कोरोना के घातक डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ असरदार साबित होने का दावा किया है। इतना ही नहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि स्पूतनिक-वी वैक्सीन का डोज दिए जाने के बाद शरीर में समय के साथ एंटीबॉडीज का स्तर बढ़ता जाता है। ऐसे में इस वैक्सीन को काफी हद तक असरदार माना जा सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं। समय के साथ बढ़ती हैं एंटीबॉडीजअर्जेंटीना के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्रालय द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक स्पूतनिक-वी वैक्सीन लेने वालों के शरीर में प्रतिरक्षा प्रदान करने वाली एंटीबॉडीज का स्तर बढ़ता है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने 1800 लोगों के रक्त का सैंपल लेकर उसका अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों का कहना है कि दुनियाभर में इस बात को लेकर चिंता है कि वैक्सीनेशन के कुछ महीनों बाद एंटीबॉडीज कम होने लगती हैं, हालांकि स्पूतनिक-वी वैक्सीन लेने वालों में 21, 42, 120 और 180 दिनों के बाद लिए गए सैंपल में एंटीबॉडीज का स्तर बढ़ता हुआ देखा गया है। लंबे समय तक मिल सकती है सुरक्षाअध्ययनकर्ताओं का कहना है कि रक्त के सैंपल की जांच में पाया गया है कि इस वैक्सीन के बाद शरीर में समय के साथ एंटीबॉडीज और मजबूत होती जाती हैं, जिससे लोगों को लंबे समय तक कोरोना के संक्रमण से सुरक्षा मिल सकती है। इतनी ही नहीं स्पूतनिक-वी वैक्सीन को डेल्टा जैसे कोरोना के कई बेहद संक्रामक वैरिएंट्स के खिलाफ प्रभावी भी पाया गया है।डेल्टा वैरिएंट के संक्रमण से मिल सकती है सुरक्षाघातक डेल्टा वैरिएंट पर वैक्सीनों की प्रभाविकता की जांच कर रहे वैज्ञानिकों ने स्पूतनिक-वी वैक्सीन को असरदार पाया है। मेडरेक्सिव प्रीप्रिंट सर्वर पर पोस्ट किए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों का कहना है कि रूस की स्पूतनिक-वी वैक्सीन डेल्टा संस्करण के खिलाफ असरदार हो सकती है। लगभग 14,000 लोगों पर किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि दो-खुराक वाली इस वैक्सीन को लेने वाले लोगों में डेल्टा वैरिएंट से संक्रमण की स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने का जोखिम 81 फीसदी तक कम हो सकता है। इतना ही नहीं यह वैक्सीन फेफड़ों को गंभीर क्षति से भी सुरक्षित रखने में असरदार साबित हुई है।

हवाना सिंड्रोम-कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सामने आई 'रहस्यमयी बीमारी', लक्षण और कारण सबकुछ अचरज भरे

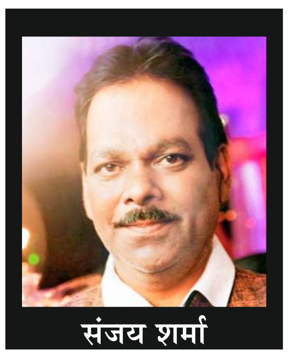
संजय शर्मा

दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के मामले स्वास्थ्य संगठनों के लिए गंभीर चिंता का कारण बने हुए हैं, विशेष रूप से कोरोना के डेल्टा वैरिएंट को सबसे संक्रामक और घातक माना जा रहा है। कुछ देशों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच हाल ही में हवाना सिंड्रोम के बारे में भी कुछ मीडिया रिपोर्टस में दावा किया जा रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की यात्रा पर भी इसका असर देखने को मिला था। कमला हैरिस 24 अगस्त को सिंगापुर से वियतनाम की यात्रा कर रही थीं, लेकिन इसमें तय समय से देरी हुई।

रिपोर्टस के मुताबिक हनोई स्थित अमेरिकी दूतावास ने हवाना सिंड्रोम के डर के चलते सुरक्षात्मक कारणों को लेकर सावधान किया था।कोरोना संक्रमण के कुछ देशों में बढ़ते मामलों के बीच हवाना सिंड्रोम के मामले स्वास्थ्य संगठनों का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। कई रिपोर्टस में हवाना सिंड्रोम को 'रहस्यमयी बीमारी' बताया जाता रहा है, इसका प्रमुख कारण यह है कि इसकी समस्या ज्यादातर यूएस और कनाडाई राजनयिकों द्वारा रिपोर्ट की जाती रही है। इतना ही नहीं, हवाना सिंड्रोम के अस्तित्व को लेकर भी समय-समय पर सवाल खड़े होते रहे हैं। आइए इस बीमारी के बारे में आगे की स्लाइडों में विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं। पांच साल पहले आया था पहला मामलास्वास्थ्य विशेषज्ञों के

मुताबिक हवाना सिंड्रोम, कोई नई या उभरती हुई बीमारी नहीं है जो अचानक सामने आई हो। पहली बार साल 2016 में क्यूबा की राजधानी हवाना में इसके मामले सामने आए थे। इसके बाद जर्मनी, ऑस्ट्रिया, रूस और चीन सहित अन्य देशों में इसकी शिकायत मिली। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हवाना सिंड्रोम की समस्या वाले लोगों को मतली, ठीक से सुनाई न देने, याददाश्त की दिक्कत, चक्कर आने और टिनिटस जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों बहुत ही तेज आवाज सुनाई देने की भी शिकायत हो सकती है। मस्तिष्क के ऊतकों को पहुंच सकती है गंभीर क्षतिएक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2016 में जब पहली बार हवाना सिंड्रोम के मामले सामने आए थे तब राजनयिकों ने अपने सिर में भयंकर दबाव महसूस होने की शिकायत की थी। कुछ अन्य लोगों ने कहा कि वह ऐसा महसूस कर रहे थे जैसे कि ऊर्जा की एक अदृश्य किरण में खड़े हैं। प्रभावित लोगों के मस्तिष्क का जब स्कैन किया गया तो डॉक्टरों ने पाया कि मस्तिष्क के ऊतकों की स्थिति बिल्कुल वैसी ही थी जैसा की किसी कार दुर्घटना या बम विस्फोट के कारण हो जाती है। हवाना सिंड्रोम के क्या कारण हो सकते हैं?हवाना सिंड्रोम के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि कुछ रिपोर्टस में इसके मनोवैज्ञानिक कारणों का दावा किया जा रहा है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि संभवत: विदेशी मिशनों के कारण उत्पन्न तनावपूर्ण माहौल ऐसी समस्याओं को जन्म दे सकता है, शायद यही कारण है कि हवाना सिंड्रोम के सबसे ज्यादा शिकार राजनयिक ही होते हैं। दिसंबर 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (NAS) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया रेडियोफ्रीक्वेंसी एनर्जी भी इसका एक संभावित कारण हो सकती है।

काम की बात: हड्डियों और दांत की मजबूती के लिए कैल्शियम का सेवन जरूरी, ये आहार हैं अच्छे स्रोत

शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए तमाम तरह के पौष्टिक आहारों के सेवन की आवश्यकता होती है। कैल्शियम हमारे स्वास्थ्य के लिए ऐसा ही एक आवश्यक खनिज है, जिसे हड्डियों-दांतों और मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माना जाता है। हड्डियों के घनत्व को ठीक रखने के साथ मांसपेशियों के कार्य और तंत्रिका संकेतन के लिए कैल्शियम बहुत आवश्यक होता है। सामान्यतौर पर दूध और दही को ही लोग कैल्शियम का स्रोत मानते हैं, पर दैनिक आहार में कई और भी ऐसी चीजें हैं जिनसे आसानी से कैल्शियम प्राप्त किया जा सकता है।आहार विशेषज्ञ कहते हैं, कैल्शियम के लिए सिर्फ डेयरी उत्पादों पर ही क्यों निर्भर रहना? आहार की कई अन्य चीजों से भी इसकी आसानी से पूर्ति की जा सकती है। जिन लोगों के शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है, उनकी हड्डियां और दांत काफी कमजोर हो जाते हैं।

कैल्शियम की गंभीर कमी, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर समस्या का भी कारण बन सकती है। ऐसे में सभी लोगों को कैल्शियम वाले आहार का दैनिक रूप से सेवन जरूर करना चाहिए। आइए ऐसे ही कुछ आहारों के बारे में जानते हैं जिनसे आसानी से शरीर के लिए आवश्यक कैल्शियम की पूर्ति की जा सकती है। कितनी मात्रा में रोजाना कैल्शियम का सेवन है जरूरीआहार विशेषज्ञ बताते हैं, सभी आयु के लोगों के लिए कैल्शियम वाले आहारों का सेवन आवश्यक होता है। वयस्कों को प्रतिदिन ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे 1,000 मिलीग्राम की मात्रा में कैल्शियम प्राप्त किया जा सके। 50 वर्ष से अधिक आयु वाली महिलाओं को प्रतिदिन 1,200 मिलीग्राम जबकि 4-18 वर्ष की आयु के बच्चों को 1,300 मिलीग्राम की मात्रा में कैल्शियम की आवश्यकता होती है। सामान्यतौर पर 250 मिली दूध से 300 मिलीग्राम का मात्रा में कैल्शियम प्राप्त किया जा सकता है।

बढ़ते वजन से हैं परेशान, तो ये योगासन कर सकते हैं आपकी मदद

हम में से कई लोग मोटापे से परेशान होते हैं। मोटापे के चलते शरीर का वजन काफी बढ़ जाता है। इस कारण कई आसान कार्यों को भी करने में हमें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वजन कम करने के लिए हम कई उपायों को अपनाते हैं, उसके बाद भी हमें कोई खास फक देखने को नहीं मिलता है। वजन घटाने का रामबाण उपाय है योग। निरंतर योग करने से वजन तो कम होता ही है साथ ही साथ शरीर भी स्वस्थ और तंदुरुस्त हो जाता है। आपके आस पास ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जिन्होंने योग करके अपने वजन को कम किया है। योग करने से आपके मस्तिष्क में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने लगता है। इससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। इस दौरान शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप हेल्दी भोजन की तलाश करते हैं। वजन को कम करने के लिए दो महत्वपूर्ण पहलू हैं पहला हेल्दी डाइट और दूसरा व्यायाम। इसी कड़ी में आइए जानते हैं उन आसनों के बारे में, जिनको करने से आपका वजन कम हो सकता है।

चतुरंग दंडासनवजन कम करने के लिए चतुरंग दंडासन रामबाण उपाय है। इसे करने से आपका कोर काफी मजबूत हो जाता है। ये आसन दिखने में जितना आसान है, इसके फायदे भी उतने ही ज्यादा हैं। जब आप इस आसन की मुद्रा में होते हैं, तो आपको इसकी तीव्रता पेट की मांसपेशियों में महसूस होने लगती है। त्रिकोणासन इस आसन को नियमित तौर पर करने से आपका पाचन तंत्र काफी बढ़िया हो जाता है।

ये आसन कमर में जमी हुई चर्बी को कम करने में काफी मदद करता है। इसे करने से पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन उचित मात्रा में होने लगता है।

इस आसन को पार्श्व गति में करने से कमर में से अत्यधिक फैट की मात्रा बर्न हो जाती है। इसे करने से जांघों और हैमस्ट्रिंग में अधिक मांसपेशियों का निर्माण होता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह तरक्कीदायक है। लंबे समय से जिस काम के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, संभवतया वह इस सप्ताह में पूरा हो जाए। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन समय पर हो जाएंगे। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह श्रेष्ठ है। रूका पैसा प्राप्त होगा। संपत्ति में निवेश करने की संभावना बनेगी।

वृषभ : अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखें। आपकी कही हुई बात से किसी के दिल को चोट पहुंच सकती है। जो भी कहें सोच-समझकर कहें। निवेश की संभावनाएं हैं लेकिन पहले सारे पक्ष अच्छे से विचार कर लें। नया काम हाथ लगेगा। पुराने कार्यो में तेजी आएगी। संतान को लेकर कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

मिथुन : पारिवारिक मेलजोल और मौज-मस्ती में सप्ताह बीतेगा। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक संकट का दौर समाप्त हुआ। जो भी कार्य करेंगे उसमें सफलता मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन और पैसा बढ़ने वाला है। व्यापार में विस्तार की संभावनाएं हैं, लेकिन कर्ज लेकर कोई काम न करें।

कर्क : सप्ताह में यात्राएं अधिक करनी पड़ सकती है लेकिन अच्छी बात यह है कियात्राएं शुभ कार्यो से या प्रोफेशनल कार्यो से ही होगी। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। बुजुर्गो के सहयोग से बड़ी समस्याएं हल होने की संभावना बनेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पैसों की आवक बढ़ेगी। पुराने निवेश से लाभ अर्जित करेंगे।

सिंह : छोटी-छोटी बातों का तनाव न लें वरना इसका बुरा असर स्वास्थ्य पर पड़ेगा। चाहे जैसी भी परिस्थिति आए संयम से काम लें। किसी प्रिय मित्र या व्यक्ति से भेंट होगी। कार्यो को आगे बढ़ाने का प्रयास करें लाभ होगा। कारोबार में नए लोग जुड़ेंगे, विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

कन्या : स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या आ सकती है। खानपान का ध्यान रखें। त्वचा और इंफेक्शन जैसा कोई मामला आ सकता है। पारिवारिक दृष्टि से सप्ताह ठीक है। पारिवारिक मेलजोल, समागम होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। निवेश से लाभ मिलेगा लेकिन सलाह है किइस सप्ताह नया निवेश करने से बचें।

तुला : कोई दिल दुखाने वाली घटना आपके साथ हो सकती है। संबंधों को निभाने में कमजोर साबित होंगे। कुछ रिश्ते, कुछ अच्छे मित्र छूट भी सकते हैं। मौका परस्त लोगों से सावधान रहें। कोई आपकी मजबूरी का फायदा उठा सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मानसिक तनाव भी किसी बात को लेकर हो सकता है।

वृश्चिक : आपकी कोई बात स्वजनों को बुरी लग सकती है, इसलिए कुछ बोलने या सलाह देने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। क्रोध आए तो संयम से काम लें। नौकरी में उच्चाधिकारियों से मतभेद हो सकते हैं। विवाद न बढ़ने दें। कारोबार में मन मुताबिक सफलता मिलने में संदेह रहेगा। परिवार का सहयोग प्राप्त रहेगा।

धनु : कारोबार का विस्तार करने का सही समय है। यदि पूर्व में कोई योजना बना रखी है तो उसे धरातल पर लाने का प्रयास करें। नए स्टार्टअप के लिए भी समय उत्तम है। लंबे समय से जिस कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे थे वह पूरा हो सकता है और इसमें किसी करीबी मित्र का सहयोग रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। परेशानियां कम होंगी।

मकर : प्लॉट, मकान, वाहन, आभूषण ये सारे सुख इस सप्ताह आपके पास आने के योग दिख रहे हैं। पुराने शुभ कार्यो का परिणाम अब मिलने वाला है। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। कारोबार का विस्तार करेंगे। इसमें कुछ नए लोग आपके साथ जुड़ेंगे। मौका परस्त लोगों से बचकर रहें। बिजनेस में प्रतिस्पर्धी नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

कुंभ : परिवार के सहयोग और सामंजस्य से परेशानियों का हल तलाशने में कामयाब होंगे। किसी की बात दिल को चुभ सकती है। इसलिए ऐसा कोई काम न करें, जिससे सामने वाले को कुछ कहने का मौका मिले। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। रोगों में कमी आएगी। सप्ताह खर्चीला है, लेकिन फिर भी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

मीन : अपने काम पर फोकस करना जरूरी होगा वरना उच्चाधिकारी नाराज हो सकते हैं। किसी भी काम का तनाव न लें, काम को एंजॉय करते हुए करेंगे तो मुश्किलों से बच जाएंगे। कारोबारी लोगों को लाभ मिलेगा। विस्तार की योजनाएं साकार होंगी। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। युवाओं को नौकरी के अच्छे आफर आ सकते हैं।

चुटकुले

रिंकी - मेरे होंठ कितने खराब हैं।
डॉक्टर - प्लास्टिक सर्जरी करा लो।
रिंकी - कितने पैसे लगेंगे?
डॉक्टर - छह लाख रुपए।
रिंकी - अगर प्लास्टिक मैं खुद लगा दूं तो?
डॉक्टर - फेवीकॉल भी लेती आना फ्री में चिपका दूंगा।

रिंकी और पिंकी होस्टल की कैंटीन में बैठी हुई थी....
रिंकी - मैं ये रोटी नहीं खाऊंगी।
पिंकी - क्यों?
रिंकी- इस रोटी पर से बिल्ली निकलकर गई है।
पिंकी - तो क्या हुआ? बिल्ली ने चप्पल थोड़ी ही पहनी थी।

जनधन योजना के 7 साल-पीएम मोदी बोले- इस योजना से हुआ अनगिनत भारतीयों का सशक्तीकरण, जानें क्या कहते हैं आंकड़े

जन धन योजना को आज 7 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई दी। अपने ट्वीट में पीएम ने कहा कि इस पहल ने भारत के विकास की दिशा को बदल दिया। मोदी ने कहा, "इस योजना ने आर्थिक समावेश के साथ अनगिनत भारतीयों को सम्मान का जीवन दिया और उनका सशक्तीकरण किया है।"भारत की कितनी आबादी इस योजना के दायरे में?बता दें कि जन धन योजना का एलान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को लाल किले से अपने पहले संबोधन में किया था। इस कार्यक्रम की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस योजना को आर्थिक समावेश के राष्ट्रीय मिशन के तहत शुरू किया गया था। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, फिलहाल इस बैंकिंग सुविधा के साथ 43.04 करोड़ लाभार्थी जुड़े हैं। यानी देश की करीब 32.08 फीसदी जनता इस योजना के दायरे में है। इसके अलावा फिलहाल इन बैक अकाउंटों में जमा राशि 146.23 करोड़ बताई जाती है। 6 सालों में तीन गुना बढ़े खाते, महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा18 अगस्त 2021 तक के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में इस वक्त 43.04 करोड़ जन धन बैंक खाते हैं, जो कि मार्च 2015 के 14.72 करोड़ मुकाबले लगभग तीन गुना हैं। इस योजना का सबसे ज्यादा फायदा महिलाओं को मिला है, क्योंकि कुल खातों में 55 फीसदी महिलाओं के नाम पर ही हैं। इसके अलावा 67% खाते ग्रामीण या छोटे शहरी इलाकों में हैं। जन धन योजना के तहत जितने खाते खुले हैं, उनमें से 36.86 करोड़ खाते (85.98%) सक्रिय हैं। वहीं, 5.82 करोड़ अकाउंट (14.02 फीसदी) अभी निष्क्रिय हैं। यह जवाब सरकार ने पिछले महीने ही राज्यसभा में दिया था। इसके मुताबिक, कुल निष्क्रिय खातों में से 2.02 करोड़ महिलाओं के हैं, जो कि कुल निष्क्रिय अकाउंट्स का 35 फीसदी है।

गोरखपुर दौरा-राष्ट्रपति कोविंद ने रखी प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की नींव, अचानक बारिश हुई तो बोले- इन्द्रदेव भी आशीर्वाद देने आए हैं

चार साल के भीतर दूसरी बार गोरखपुर आए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को भटहट के पिपरी में स्थित प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।राष्ट्रपति सुबह सेना के वायुयान से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भटहट के पिपरी पहुंचे। शिलान्यास समारोह में देश की प्रथम महिला सविता कोविंद, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे।शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई तो राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही इसका स्वागत कुछ अलग ढंग से किया। उन्होंने कहा कि भगवान इन्द्रदेव भी अपना आशीर्वाद देने हम सबके बीच में आ गए हैं। भारतीय शास्त्रों में एक मान्यता है कि कोई शुभ कार्य यदि सम्पन्न हो रहा हो उस दौरान यदि आकाश से पानी की बूंदे गिरने लगें तो उसे कहा जाता है कि यह शुभ से अद्यतम शुभम हो गया है। यह सहयोग है। जब हम लोग सुबह लखनऊ से चले तो मौसम की भविष्यवाणी के अनुसार हमें लग रहा था कि गोरखपुर में बारिश होने वाली है। लेकिन कभी-कभी मन में संदेह यह होता था कि बारिश यदि शाम को हुई तो हमारा शिलान्यास का कार्यक्रम तो संपन्न हो जाएगा। लेकिन हमें लगता है कि इस आयुष विश्वविद्यालय के प्रति आपका जो समर्पण है उसने इन्द्रदेव को बाध्य कर दिया कि इस कार्यक्रम के संपन्न होने के दौरान ही आपको आशीर्वाद देने आ जाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि गुरुओं की महिमा बताने वाले गुरु गोरखनाथ ने कहा था कि सुख स्वर्ग है और दु:ख नरक। शरीर निरोग रहे इस ध्येय को सफल बनाने ले लिए यूनिवर्सिटी की स्थापना हो रही है। शरीर को स्वास्थ रखने के लिए विभिन्न चिकित्सा पद्धतियां हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार ने अलग आयुष मंत्रालय का गठन किया है। इससे सत्र और स्तर दोनों बढेंगे। शोध संस्थान की भी स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के इस विश्वविद्यालय का नाम गुरु गोरखनाथ के नाम पर रखना सार्थक है। गोस्वामी तुलसीदास ने भी गोरख की प्रतिष्ठा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति भवन में आरोग्य वन को स्थापित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी ने प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा दिया और स्वीकार्यता दी। कोविड में आयुष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो दशक में औषधीय खेती और मांग बढ़ी है। इस विश्वविद्यालय से आयुष को बढ़ावा मिलेगा। बड़े भाग्य से मानव शरीर मिला है। कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार आयुष विभाग, डॉ. धर्म सिंह सैनी, मंत्री सुर्य प्रताप शाही, मंत्री अनिल राजभर, सांसद रवि किशन, विधायक महेंद्र पाल सिंह तथा एडीजी जोन अखिल कुमार, एडीजी सुरक्षा विनोद कुमार सिंह, डीआईजी गोरखपुर परिक्षेत्र जे. रविंद्र गौड़, कमिश्नर रवि कुमार एनजी, जिला अधिकारी विजय किरन आनंद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा, मंच सुरक्षा व्यवस्था देख रहे पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी व पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर कुलदीप मीना ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुमित महाजन, अपर आयुक्त अजय कांत सैनी, पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ महेंद्र पाल सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी सहित सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी चुनाव 2022-सपा में शामिल हुए मुख्तार अंसारी के भाई, अंबिका चौधरी भी हुए सपाई

सिब्कातुल्लाह अंसारी गाजीपुर के मोहम्मदाबाद विधानसभा सभा क्षेत्र से 2007 में सपा और 2012 में कौमी एकता दल से विधायक रहे। 2017 में बसपा से मैदान में उतरे, लेकिन पराजय का सामना करना पड़ा। पंचायत चुनाव के दौरान ही अंसारी बंधुओं के हाथी से उतर कर साइकिल पर सवार होने की रणनीति तैयार हो गई थी। इसके लिए कई दौर की बातचीत की गई।

पूर्वांचल की सियासत में खासा दखल रखने वाले बसपा के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिब्कातुल्लाह अंसारी शनिवार को समर्थकों के साथ सपा में शामिल हो गए। उनके साथ अंबिका चौधरी ने भी सपा की सदस्यता ले ली।सिब्कातुल्लाह अंसारी गाजीपुर के मोहम्मदाबाद विधानसभा सभा क्षेत्र से 2007 में सपा और 2012 में कौमी एकता दल से विधायक रहे।

2017 में बसपा से मैदान में उतरे, लेकिन पराजय का सामना करना पड़ा। पंचायत चुनाव के दौरान ही अंसारी बंधुओं के हाथी से उतर कर साइकिल पर सवार होने की रणनीति तैयार की गई। इसके लिए कई दौर की बातचीत की गई।बता दें कि विधानसभा चुनाव के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रही सपा बसपा विधायक मुख्तार अंसारी और सांसद अफजाल अंसारी को पार्टी की सदस्यता दिलाने से अभी परहेज कर रही है। ऐसे में बीच का रास्ता निकालते हुए उनके बड़ भाई सिब्कातुल्लाह अंसारी को सदस्यता दिलाई गई। दरअसल, पूर्वांचल की 10 सीटों पर अंसारी बंधुओं का प्रभाव है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान-राहुल गांधी से मिले हरीश रावत, सिद्धू के बयान पर कहा- सबका अपना तरीका

नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार के इस्तीफे के बाद पंजाब कांग्रेस के अंदर का विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। एक दिन पहले सिद्धू ने पार्टी के आलाकमान को फैसले लेने की छूट न देने पर ईंट से ईंट बजा देने की चेतावनी दी थी। इस पूरे विवाद को लेकर शनिवार को पंजाब प्रभारी हरीश रावत राहुल गांधी से मिलने उनके घर पहुंचे।राहुल गांधी से मिलने से पहले उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि सभी का अपना बात करने का तरीका होता है। इसे बगावत कहना ठीक नहीं है। बैठक के बाद रावत ने कहा कि उन्होंने पूरी स्थिति से राहुल गांधी को अवगत करवा दिया है। मैं कांग्रेस प्रधान को भी इस बारे में पूरी जानकारी दे चुका हूं। अब मैं एक दो दिन में पंजाब जाऊंगा और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू से मुलाकात करूंगा। वहीं पंजाब प्रभारी के पद पर बने रहने के सवाल पर रावत ने कहा कि कांग्रेस में पार्टी नेतृत्व जो भी निर्णय लेता है, वही अंतिम होता है। जब तक वे मुझसे कहेंगे, तब तक मैं काम करता रहूंगा। वहीं इससे पहले खेल मंत्री राणा गुरजीत सिंह सोढी के आवास पर गुरुवार रात डिनर पार्टी के दौरान मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने के बाद शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री खुद भट्ठल के सरकारी आवास पर पहुंचे और उनका हाल जाना। इस दौरान चाय की चुस्कियों के साथ दोनों नेताओं के बीच सरकार और पार्टी के मौजूदा हालात पर चर्चा हुई।हालांकि दोनों नेताओं ने इस बातचीत के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। इससे पहले पंजाब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू भी भट्ठल से मिलने पहुंचे थे। चूंकि प्रदेश कांग्रेस में

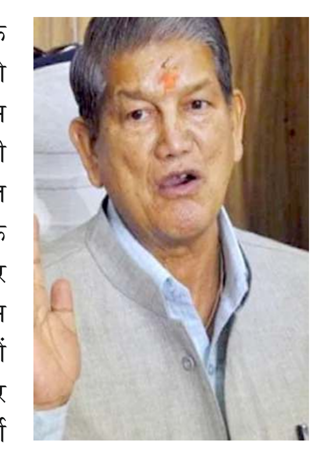

मचे घमासान की पृष्ठभूमि में कैप्टन और सिद्धू के बीच छिड़ा युद्ध ही है। ऐसे में दोनों नेताओं का बारी-बारी आकर पूर्व मुख्यमंत्री भट्ठल से मुलाकात करने के कई सियासी मायने हैं।

तमिलनाडु-कृषि कानूनों के विरोध में स्टालिन सरकार लाई प्रस्ताव, विपक्ष ने किया विधानसभा से वॉकआउट

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य विधानसभा में शनिवार को केंद्र सरकार के तीन कृषि संबंधी कानूनों के विरोध में एक प्रस्ताव पेश किया। वहीं प्रस्ताव के पेश होते ही भाजपा और एआईएडीएमके के नेता हंगामा करते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर गए। वहीं इस मामले पर एआईएडीएमके के विधायकों ने कहा कि केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के विरोध में ये प्रस्ताव जल्दबाजी में लाया गया है। विधायकों ने कहा कि राज्य सरकार को इस प्रस्ताव को लाने से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी और किसानों की भी राय लेनी चाहिए थी। इस दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि पिछले एक साल के दौरान केंद्र सरकार के तीन किसान-संबंधी कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस ले लिए जाएंगे। उन्होंने इस मौके पर कहा कि केंद्र सरकार को जल्द से जल्द इस कानून को वापस लेना चाहिए।

NEET-MDS 2021-एमसीसी ने काउंसलिंग प्रक्रिया पर लगाई रोक, हाईकोर्ट के आरक्षण संबंधी फैसले से फंसा पेच

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) ने EWS आरक्षण पर मद्रास उच्च न्यायालय के 25 अगस्त, 2021 के फैसले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट से स्पष्टीकरण मांगने के लिए NEET MDS यानी मास्टर्स ऑफ डेंटल सर्जरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2021 की काउंसलिंग के लिए को अस्थायी रूप से रोक दिया है।उल्लेखनीय है कि काफी लंबी देरी के बाद 20 अगस्त, 2021 को नीट - एमडीएस 2021 की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हुई थी। केंद्र सरकार ने 11 अगस्त, 2021 को शीर्ष अदालत को बताया था कि वह 20 अगस्त से 10 अक्तूबर, 2021 तक नीट-एमडीएस दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया आयोजित करेगी।इस बीच, बुधवार, 25 अगस्त, 2021 को मद्रास उच्च न्यायालय

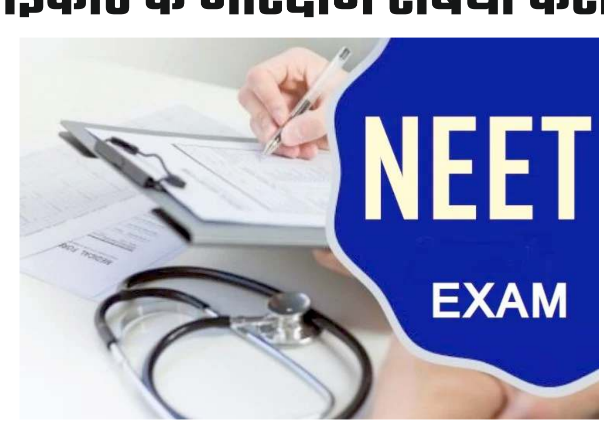

ने तमिलनाडु के लिए और अधिक आरक्षण के लिए एक याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि राज्यों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एआईक्यू (ऑल इंडिया कोटा) सीटों का आरक्षण एक समान होना चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि एआईक्यू सीटों के लिए केंद्र की 29 जुलाई की अधिसूचना में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10% का अतिरिक्त आरक्षण सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बिना स्वीकाय र्नहीं है।इस फैसले से नीट एमडीएस काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान सीट आवंटन प्रभावित हो रहा है। इसलिए, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (M C C) ने इस पर सर्वोच्च न्यायालय से राय मांगी है। एमसीसी ने बताया कि माननीय मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 25.08.2021 के मद्देनजर, इस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (DGHS)/ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के जरिये एमसीसी द्वारा कानूनी राय मांगी जा रही है। इसलिए, इस संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय से स्पष्टीकरण आने तक के लिए एमडीएस काउंसलिंग 2021 के राउंड -1 को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। एमसीसी ने आगे कहा कि NEET - MDS काउंसलिंग प्रक्रिया 2021 सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्टीकरण और मंजूरी के बाद ही फिर से शुरू होगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी नीट - एमडीएस 2021 नवीनतम अपडेट के लिए एमसीसी की आधिकारिक वेबसाइट mcc.nic.in को चेक करते रहें।

गुजरात-संविधान, धर्मनिरपेक्षता और कानून तब तक, जब तक हिंदू समुदाय बहुसंख्यक' ये क्या बोल गए डिप्टी सीएम नितिन पटेल

गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के विवादित बयान से गुजरात समेत देश की राजनीति गर्म हो गई है। नितिन पटेल ने कहा कि देश में संविधान, धर्मनिरपेक्षता और कानून की बात तबतक चलेगी जबतक हिंदू बहुसंख्यक हैं, हिंदू के बहुमत में रहने से कानून कायम रहेगा नहीं तो समुदाय के अल्पसंख्यक हो जाने के बाद कुछ भी नहीं बचेगा। नितिन पटेल यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि मेरे शब्द लिख लीजिए, अगर हिन्दुओं की संख्या कम हुई तो उस दिन ना कोई कोर्ट होगा, ना कचहरी होगी, ना कोई कानून, कोई लोकशाही नहीं, कोई संविधान नहीं रहेगा। सब दफना दिया जाएगा। गांधीनगर के भारत माता मंदिर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने बयान दिया।नितिन पटेल ने आगे कहा कि मैं हर किसी के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, क्योंकि बड़ी संख्या में मुसलमान देशभक्त हैं, लाखों ईसाई देशभक्त हैं, गुजरात पुलिस में हजारों मुसलमान हैं, वे सभी देशभक्त हैं।

एलान-अब 30 सितंबर को नहीं होगी बीसीसीआई की सालाना बैठक, कोरोना की वजह से लिया गया फैसला

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने बोर्ड की सालाना आम बैठक को लेकर बयान दिया है। उन्होंने बीसीसीआई से सम्बद्ध सभी बोर्ड्स से कहा है कि इस साल 30 सितंबर को होने वाली वार्षिक आम बैठक नहीं होगी। सचिव के मुताबिक यह फैसला कोविड-19 महामारी के चलते लिया गया है। जय शाह ने आगे कहा कि सालाना आम बैठक की जैसे ही तारीख तय होगी तो इससे बोर्ड के सदस्यों को अवगत करा दिया जाएगा।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण तमिलनाडु सरकार ने अपने जीओ नंबर 96 दिनांक 30 जून 2021 तमिलनाडु सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1975 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के लिए वित्तीय वर्ष 2020-2021 के लिए वार्षिक आम बैठक आयोजित करने की अवधि तीन महीने सितंबर 2021 से लेकर दिसंबर 2021 तक के लिए बढ़ा दी है।बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लिखा, इसके मद्देनजर आपको सूचित किया जाता है कि बीसीसीआई की 30 सितंबर 2021 तक वार्षिक आम बैठक नहीं होगी, हम आपको होने वाली सालाना बैठक की तारीख के बारे में सूचित करते रहेंगे। बीते साल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की 89वीं सालाना आम बैठक 24 दिसंबर को हुई थी। इस साल आईपीएल का दूसरा चरण 19 सितंबर से यूएई में होने जा रहा है।

इसके बाद टी-20 क्रिकेट विश्व कप का आयोजन ओमान और संयुक्त अरब अमीरात में किया जाएगा। 2021 टी-20 विश्व कप की मेजबानी का अधिकार भारत के पास है।

लेकिन देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए इसे बीसीसीआई ने यूएई और ओमान स्थानांतरित कर दिया था।

टिहरी-गढ़वाल में फिर दरके पहाड़, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 200 से ज्यादा सड़कें बंद

उत्तराखंड में गुरुवार देर रात से बारिश का दौर जारी है। राजधानी देहरादून और हल्द्वानी में शनिवार को दिन की शुरुआत बारिश के साथ हुई। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में नैनीताल, चंपावत, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जैसे जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। वहीं, हरिद्वार, देहरादून, पौड़ी के कुछ स्थानों में

हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञानियों ने बारिश के साथ ही राज्य के कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई है। वहीं, राजधानी में अगले 24 घंटे में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।भवाली-हल्द्वानी हाइवे पर सड़क धंसीबारिश के कारण भवाली-हल्द्वानी हाइवे पर वीरभट्टी पुल के पास मलबा आने के बाद यातायात पूरी तरह सुचारू भी नहीं हो पाया था कि

अब दोगांव के समीप सड़क का 20 मीटर हिस्सा दरक कर खाई में समा गया है। जिससे सड़क पर बड़े वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है।

31 महीने बाद पुजारा शतक के करीब; 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में लगाया था आखिरी शतक

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट लीड्स के हेंडिंग्ले स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने दूसरी पारी में 2 विकेट गंवाकर 215 रन बना लिए हैं। इससे पहले भारतीय टीम पहली पारी में 78 रन ढेर हो गई थी। वहीं इंग्लैंड की टीम ने पहली पारी में 432 रन बनाए थे। इस तरह पहली पारी के आधार पर 354 रन से पीछे चल रही टीम इंडिया पर हार का संकट था, लेकिन टीम ने वापसी की। पिछली 12 पारियों से 50 रन का भी आंकड़ा नहीं छू सकने वाले चेतेश्वर पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम को मैच में वापसी कराई है। फिलहाल वह 91 रन बनाकर क्रीज पर हैं और अपने 19वें शतक से बस 9 रन दूर हैं। यदि वे अपना शतक आज पूरा कर पाते हैं तो वे 31 महीने बाद सेंचुरी लगा पाएंगे। पिछला शतक उन्होंने जनवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में लगाया था। तब उन्होंने 193 रनों की पारी खेली थी। चेतेश्वर पुजारा ने उस सीरीज में 521 रन बनाए थे। सिडनी के उस टेस्ट के बाद से पुजारा ने 35 पारियों में 912 रन बनाए हैं, जिसमें नौ अर्धशतक शामिल रहे। इस दौरान का पुजारा का एवरेज महज 26.35 का रहा है, जो उनके टेस्ट एवरेज 45.27 से मेल नहीं खाता है। रोहित ने कहा- पुजारा ने एक बार फिर टीम में अपनी अहमियत को बताया पुजारा की इस पारी से एक बार फिर टीम में उनकी अहमियत साबित हो हुई है। तीसरे दिन की पारी समाप्त होने के बाद ओपनर रोहित शर्मा ने कहा कि बेशक पुजारा कुछ पारियों से बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे और उनकी आलोचना की जा रही थी, लेकिन कभी भी टीम मीटिंग में उनकी बल्लेबाजी को लेकर चर्चा नहीं की गई थी। पुजारा बेशक रन नहीं बना रहे थे, लेकिन वह मानसिक तौर पर फॉर्म में थे। आलोचना कर रहे लोगों को सोचने की जरूरत है कि पुजारा ने टीम इंडिया के लिए बीते सालों में क्या- क्या किया है। फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ ही लगाई थी हाफ सेंचुरी पुजारा ने अपनी आखिरी हाफ सेंचुरी इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में लगाई थी। अब उन्होंने 12 पारी के बाद एक बाद एक बार फिर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट करियर की 30वीं फिफ्टी लगाई। उन्होंने 91 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह टेस्ट में पुजारा की 14वीं सबसे तेज फिफ्टी है। यह 2021 में उनकी दूसरी फास्टेस्ट फिफ्टी रही। इसी साल सिडनी में उन्होंने 64 बॉल पर फिफ्टी लगाई थी। पुजारा ने टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक 54 बॉल पर पूरा किया था। यह मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2013 में दिल्ली में खेला गया था। तब पुजारा ने 92 बॉल पर 82 रन की पारी खेली थी। चेन्नई में इस साल हाफ सेंचुरी लगाने के बाद 6 मैचों में 129 रन बनाए पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में चार टेस्ट मैचों की सीरीज के चेन्नई में खेले गए पहले मैच में उन्होंने पहली पारी में 78 रन बनाए थे।

टोक्यो पैरालिंपिक्स में रचा इतिहास•विमेंस सिंगल्स में क्लास-4 कैटेगिरी के फाइनल में पहुंची भाविनाबेन पटेल, कम से कम सिल्वर मेडल पक्का किया

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत का पहला गोल्ड या सिल्वर मेडल पक्का हो गया है। भाविनाबेन पटेल टेबल टेनिस के विमेंस सिंगल्स में क्लास-4 कैटेगरी के 8फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने चीन की झांग मियाओ को 7-11, 11-7, 11-4,9-11,11-8 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सर्बिया की बोरिस्लावा रैंकोविच पेरिच को लगातार तीन गेम में 11-5, 11-6, 11-7 से हरा कर सेमीफाइनल में पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में ब्राजील की जॉयज डि ओलिवियरा हराया

भाविनाबेन पटेल ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील की जॉयज डि ओलिवियरा को 12-10, 13-11, 11-6 से मात दी थी। वे पैरालिंपिक में टेबल टेनिस का मेडल पक्का करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।क्या होती है क्लास-4 कैटेगरी

क्लास-4 कैटेगरी के एथलीट का बैठने का संतुलन बरकरार रहता है और उसके दोनों हाथ ठीक होते हैं। उनकी दिव्यांगता लोअर स्पाइन की समस्या के कारण हो सकती है या वे सेरिब्रल पाल्सी का शिकार होते हैं। पैरा टेबल टेनिस के क्लास 1 से 5 तक के एथलीट व्हीलचेयर पर खेलते हैं। क्लास 6 से 10 तक के एथलीट खड़े होकर खेल सकते हैं। वहीं, क्लास-11 के एथलीटों में मानसिक समस्या होती है। व्हील चेयर स्टैंडिंग पॉजिशन में क्लास की संख्या जितनी कम होती है उनकी शारीरिक क्षमता उतनी ज्यादा प्रभावित होती है। यानी क्लास-1 के एथलीट की शारीरिक क्षमता सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। श्याम सुंदर और रंजीत भाटी पर होगी नजर

उनके अलावा आज भारत के अन्य पैरा एथलीट जिनमें श्याम सुंदर, राकेश कुमार और रंजीत भाटी शामिल हैं ये सभी अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

12 साल बाद इंग्लिश क्लब में वापसी, 216 करोड़ रु. में करार हुआ; 30 से ज्यादा ट्रॉफी जीत चुके हैं पुर्तगाली स्टार

फुटबॉल के सबसे बड़े ग्लोबल स्टार्स में से एक पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर अपने पुराने क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेलेंगे। यूनाइटेड ने इतालवी क्लब युवेंट्स के साथ रोनाल्डो के ट्रांसफर के लिए हुई डील की पुष्टि कर दी है। रोनाल्डो ने 2003 से 2009 तक यूनाइटेड से खेल चुके हैं। रोनाल्डो अभी फिलहाल युवेंटस का हिस्सा थे। दोनों क्लब के बीच डील 25 मिलियन यूरो (करीब 216 करोड़ रुपए) में हुई है। 36 साल के रोनाल्डो अब तक 5 बार बैलेन डि'ओर अवॉर्ड जीत चुके हैं। यह फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। रोनाल्डो अपने करियर में 30 से ज्यादा मेजर फुटबॉल टूर्नामेंट जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इसमें 5 UEFA चैंपियंस लीग, 4 FIFA क्लब वर्ल्ड कप, इंग्लैंड, स्पेन और इटली में मिलाकर सात लीग और 1 यूरो कप खिताब भी शामिल हैं। 2003 से 2009 तक यूनाइटेड के लिए खेल चुके हैं रोनाल्डो रोनाल्डो अब तक अपने करियर में 4 क्लब से खेल चुके हैं। उन्होंने करियर की शुरुआत स्पोर्टिंग सीपी से की थी। इस क्लब के लिए रोनाल्डो ने 31 मैच में 5 गोल दागे। इसके बाद 2003 में उन्होंने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड जॉइन किया। इस क्लब के लिए रोनाल्डो ने 292 मैच में 118 गोल दागे। 2009 में रोनाल्डो रियल मैड्रिड से जुड़ गए थे। स्पैनिश क्लब के लिए उन्होंने 438 मैच खेले और 450 गोल किए। 2018 में इटैलियन क्लब युवेंटस से जुड़े रोनाल्डो 2018 में रोनाल्डो स्पेन छोड़कर इटली पहुंच गए।

काबुल ब्लास्ट-तालिबान की इमेज खराब करना चाहता है ISIS-K; उसने कहा था- अमेरिका ने तालिबान को चांदी की तश्तरी में सौंप दिया है अफगानिस्तान

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में गुरुवार को फिदायीन हमले में 170 लोग मारे जा चुके हैं। हमले की जिम्मेदारी ISIS-K, यानी खुरासान ग्रुप ने ली है। सवाल उठ रहे हैं कि तालिबान, ISIS और अल-कायदा सभी जिहादी ग्रुप हैं और सबका मकसद शरिया कानून लागू करना है तो फिर IS ने ये हमला क्यों कराया। वो भी तब जबकि हमले में 150 से ज्यादा अफगान नागरिक मारे गए जो सभी

मुस्लिम थे। यही वजह है कि कुछ लोग इसे मूर्खतापूर्ण हरकत भी करार दे रहे हैं। BBC में जिहादी मीडिया एक्सपर्ट मिना अल-लामी ने इस मामले पर अपना एनालिसिस दिया है। उनके मुताबिक, काबुल हमले के जरिए ISIS तालिबान की इमेज खराब करना चाहता है, उसे चैलेंज करना चाहता है। ISIS का कहना है कि कतर में हुए गुप्त समझौते की वजह से अमेरिका ने तालिबान को चांदी की तश्तरी में रखकर अफगानिस्तान गिफ्ट कर दिया है। यहां जानते हैं लामी के इस एनालिसिस की कुछ अहम बातें। तालिबान और अमेरिका को चैलेंज इस हमले का सबसे हैरान करने वाला पहलू ये है कि अलर्ट मिलने के बावजूद इसे टाला नहीं जा सका। ये अमेरिका और तालिबान को ISIS का सीधा चैलेंज है। तालिबान ये जाहिर करना चाहता है कि काबुल पर अफगानिस्तान में स्थिरता आ गई है। उसने राजधानी की सुरक्षा के लिए बदर 313 ब्रिगेड और फतह दस्ता बनाया, लेकिन इस हमले को रोका नहीं जा सका। पुरानी अदावत खुरासान वास्तव में इस्लामिक स्टेट की स्थानीय और पुरानी यूनिट है। तालिबान से उसकी पुरानी, या कहें 2014 से ही दुश्मनी है। इस ग्रुप को लगता है कि तालिबान ने अमेरिका के समर्थन वाली अफगान सेना के साथ मिलकर उसे कमजोर किया। अब वो बदला ले रहा है। तालिबान के लिए भी यह चुनौती है। हालांकि, कुछ जिहादी इसे ISIS की मूर्खता बता रहे हैं। इनका कहना है कि हमले में अमेरिकियों के साथ मुस्लिम भी मारे गए और इसीलिए यह इस्लाम के लिए नुकसानदायक है। दो साल पहले, यानी 2019 तक अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में ISIS का तगड़ा होल्ड था। फिर तालिबान ने अफगान सेना के साथ उसे वहां से उखाड़ फेंका। यही वजह है कि I S तालिबान को अमेरिकी मोहरा करार देता है। तालिबान से जलन ISIS को इराक और सीरिया में शिकस्त मिली। दूसरी तरफ, तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। उसे पहले इस्लामिक स्टेट ने बधाई भी दी, लेकिन बाद में सुर बदल गए। अब लगता है कि ISIS तालिबान से चिढ़ गया है। एक तरफ तालिबान इस्लामिक अमीरात बनाने की राह पर है, दूसरी तरफ इस्लामिक स्टेट बिखर रहा है और उसका खिलाफत स्टेट का सपना भी टूटता जा रहा है। यही वजह है कि अब वो तालिबान को कामयाब होने नहीं देना चाहता और अफगानिस्तान में काबुल जैसे हमले आगे भी होने की आशंका है। हालांकि, ये भी सही है कि काबुल एयरपोर्ट के अंदर और बाहर जिस तरह के हालात थे, उसकी वजह से ISIS को हमला करने का मौका मिल गया। अब वो कह रहा है कि उसके लड़ाके नए हमलों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

चीन की सुप्रीम कोर्ट की बड़ी चेतावनी•जरूरत से ज्यादा लिया जा रहा काम, लोगों का गुस्सा बढ़ा तो 996 का फॉर्मूला अवैध

चीन की सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट और सरकार ने देश के सभी बड़े निगमों में जरूरत से ज्यादा काम करवाने पर अब तक की सबसे बड़ी चेतावनी जारी है। यहां निजी कंपनियों में कर्मचारियों से जरूरत से ज्यादा काम लिया जा रहा है जिसके कारण कोर्ट में प्रताड़ना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और मानव संसाधन विभाग ने ऐसे 10 मामलों की केस स्टडी को आधार बनाया, जिसमें काम के दौरान कर्मचारी की मौत हुई और कंपनी को मुआवजे की रकम चुकानी पड़ी। इसलिए कोर्ट ने भी

काम के अत्यधिक दबाव को अवैध मानते हुए कंपनियों को इस पर विचार करने को कहा है।

नौजवानों को बीमार कर रहा 996 का फॉर्मूला दरअसल, चीन में उत्पादकता बढ़ाने में निजी और तकनीकी क्षेत्र की कंपनियों का बड़ा हाथ है। लेकिन अब इसी इंडस्ट्री का 996 फॉर्मूला देश के कामकाजी नौजवानों को बीमार और परेशान कर रहा है। हालांकि, अलीबाबा जैसी कई कंपनियां अब भी 996 की वकालत करती है। 996 फॉर्मूले का मतलब है हफ्ते के छह दिन सुबह नौ से रात नौ बजे तक काम करो, वह भी बिना किसी ओवरटाइम वेतन के। हुआवे और अलीबाबा जैसी कंपनियों के कर्मचारी परेशान चीन की हुआवे और अलीबाबा जैसी बड़ी टेक कंपनियां देश को तेजी से बदलने के चक्कर में दिनरात अपने कर्मचारियों को काम के दबाव में रखा। 996 का फार्मूला लागूकर ये कंपनियां दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रांड तो बन गई लेकिन कामगारों की ओर किसी का ध्यान नहीं गया। इस सूची में 139 कंपनियां हैं। जिनके खिलाफ यहां के लोग सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर रहे हैं। लगातार काम की वजह से अपनी सेहत बिगाड़ने के बाद लोग इन कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज करवा रहे हैं। लगातार 110 घंटे ऑफिस में रहने पर मानसिक बीमार चीन के वीडियो गेम डिजाइनर ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि उसने कई बार लगातार 110 घंटे ऑफिस में ही बिताए।

अमेरिका का ISIS-खुरासान से बदला-काबुल धमाकों के मास्टरमाइंड को मार गिराया; पाकिस्तान बॉर्डर से लगे नंगरहार में ड्रोन से हमला किया

अमेरिका ने अफगानिस्तान में ISIS-खुरासान (ISIS-K) ग्रुप के ठिकानों पर ड्रोन से हमला किया है। ये हमला अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में किया गया है, जो कि पाकिस्तानी सीमा से लगा हुआ है और ISIS का गढ़ माना जाता है। यहां अमेरिकी हमले में काबुल धमाकों का मास्टरमाइंड मारा गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के प्रवक्ता कैप्टन बिल अरबन ने ये जानकारी दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिकी ड्रोन ने मध्य-पूर्व की किसी अज्ञात लोकेशन से बीती रात उड़ान भरी और ISIS-K के आतंकी को उस वक्त निशाना बनाया जब वह अपने दूसरे सहयोगी के साथ कार में सवार था, ये दोनों अमेरिकी हमले में मारे गए हैं। काबुल धमाकों के बाद अमेरिका ने दी थी चेतावनी

गुरुवार को काबुल एयरपोर्ट पर ISIS-K ने फिदायीन हमला किया था, इसमें 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 170 लोग मारे गए थे। इसके बाद अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि काबुल हमले का बदला लिया जाएगा और आतंकियों को ढूंढ-ढूंढ कर मारेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि काबुल एयरपोर्ट पर हमला करवाने वालों के बारे में जानते हैं और उन्हें सही समय और सही जगह पर करारा जवाब दिया जाएगा। इसके 36 घंटे के अंदर ही अमेरिका ने बीती रात ISIS-खुरासान ग्रुप के ठिकानों पर ड्रोन स्ट्राइक कर दी।

काबुल एयरपोर्ट पर फिर हमला कर सकता है ISIS अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत के बीच काबुल एयरपोर्ट पर एक और आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका ने अपने नागरिकों से कहा है कि वे काबुल एयरपोर्ट से तुरंत हट जाएं, क्योंकि वहां ISIS फिर से हमला कर सकता है।

श्री बी वेंकटेश प्रसाद और श्रीमती एच कमलाक्षी की 25 वीं शादी की सालगिरह के अवसर पर जेडब्ल्यू मैरियट जुहू में रोनी रॉड्रिक्स ने पार्टी का आयोजन किया

जे डब्लू मेरिएट में हुई शानदार पार्टी में ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, संगीतकार दिलीप सेन, सुनील पाल सहित कई फिल्मी हस्तियां हुई शरीक, मुकेश ऋषि ने वीडियो मैसेज द्वारा शुभकामनाएं दीं

सिनेबस्टर मैगज़ीन प्राइवेट लिमिटेड के चीफ रॉनी रॉड्रिग्स द्वारा मुम्बई के फाइव स्टार होटल जे डब्लू मेरिएट में एक शानदार पार्टी का आयोजन किया। मौका था बी. वेंकटेश प्रसाद और मिसेज एच. कमलाक्षी की शादी की २५ वीं सालगिरह का। यह वेडिंग एनिवर्सरी की पार्टी बेहद भव्य ढंग से आयोजित की गई जहां बहुत सी फिल्मी सेलेब्रिटीज़ ने भी गेस्ट के तौर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई।

परियों के ड्रेस मे कई खूबसूरत हसीनाओं के बीच रॉनी रॉड्रिग्स, बी. वेंकटेश प्रसाद और मिसेज एच. कमलाक्षी का स्वागत हुआ। बेहतरीन केक कटिंग के बाद इसकी शुरुआत हुई है। फूलों की बारिश की गई।

यहां स्क्रीन पर बॉलीवुड के मशहूर एक्टर मुकेश ऋषि का एक वीडियो मैसेज दिखाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि इस शानदार पार्टी के लिए मैं रॉनी रॉड्रिग्स और बी. वेंकटेश प्रसाद को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे इस पार्टी में दावत देने के लिए शुक्रिया और मैं मुम्बई में होता तो जरूर आता लेकिन फिलहाल मैं चंडीगढ़ में हूं।" शादी की इस 25वीं सालगिरह के मौके पर शानदार जश्न मनाया गया जिसमें बॉलीवुड से ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, दिग्गज संगीतकार दिलीप सेन, मशहूर कामेडियन सुनील पाल सहित बहुत से लोग मौजूद रहे। सभी ने रॉनी रॉड्रिग्स की मेहमान नवाजी की तारीफ की और बी. वेंकटेश प्रसाद को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दीं। दिलीप सेन ने अपने संगीतबद्ध किए हुए सुपर हिट सांग ओले ओले गाने को गाया तो सभी ने खूब डांस किया। आरती नागपाल ने भी डांस फ्लोर पर खूब मस्ती की। वैष्णवी को रॉनी रॉड्रिग्स और उनकी वाइफ नेहा ने एक खूबसूरत गिफ्ट दिया। वैष्णवी जल्द ही शादी करने वाली हैं। रॉनी रॉड्रिग्स ने वाईफ नेहा का हाथ पकड़ कर रोमांटिक गीत गाया और खूब डांस किया "ज़रा सा दिल मे दे जगह तू" गाने पर दोनों ने डांस फ्लोर पर खूब मस्ती की। यहां ढोल बजाया गया जहाँ डांस फ्लोर पर खूब मस्ती हुई।

रॉनी रॉड्रिग्स की एनर्जी कमाल की रही, उन्होंने घँटों स्टेज पर डांस किया और वहां मौजूद तमाम मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आपको बता दें कि रॉनी रॉड्रिग्स की सिनेबस्टर मैग्जीन की जर्नी काफी शानदार रही है। उल्लेखनीय है कि सिनेबस्टर पत्रिका का उद्देश्य इंडियन फिल्म इंडस्ट्री- फिल्म निर्माताओं, वितरकों, प्रदर्शकों, कलाकारों, तकनीशियनों के लिए विश्वसनीय और प्रामाणिक जानकारी और विश्लेषण प्रदान करना है।

सिनेबस्टर अपने सभी रीडर्स को सही जानकारी देने में यकीन रखती है।सिनेबस्टर में न सिर्फ एंटरटेनमेंट, फैशन, म्यूज़िक और व्यवसाय से जुड़ी सभी सूचनाएं होती हैं बल्कि इंडस्ट्री के बारे में नियमित रूप से अपडेट भी किया जाता है।

रमाकांत मुंडे ने इस शानदार इवेंट के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मुंडे मीडिया के अंतर्गत उन्होंने इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक कवर किया। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया से लेकर कई फोटोग्राफर्स द्वारा इस ग्रैंड पार्टी का अद्भुत कवरेज किया गया। रॉनी रॉड्रिग्स ने रमाकांत मुंडे के काम को सराहा और उन्हें गले लगाकर उनकी हौसलाअफजाई की।

MMS लीक होने के बाद भोजपुरी एक्ट्रेस प्रियंका पंडित ने तोड़ी चुप्पी

भोजपुरी इंडस्ट्री में बीते दिनों दो अभिनेत्रियों के एमएमएस (MMS Leak) लीक हुए। इसे लेकर खूब चर्चा भी हुई। किसी ने इन अभिनेत्रियों को ट्रोल किया तो कोई इनके समर्थन में नजर आया। भोजपुरी एक्ट्रेस त्रिशाकर मधु के बाद एक्ट्रेस प्रियंका पंडित का MMS लीक हुआ था। उन्हें भी सोशल मीडिया पर काफी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। लेकिन अब इस मामले में पहली बार प्रियंका पंडित ने चुप्पी तोड़ी है। प्रियंका पंडित का कहना है कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वो नहीं हैं। प्रियंका का कहना है कि किसी ने उनकी छवि को खराब करने के लिए जानबूझकर यह साजिश रची है। उन्होंने कहा, मेरे करियर को बर्बाद करने के लिए इस एमएमएस को लीक किया गया है। वो लड़की मेरी तरह दिखती है। प्रियंका पंडित को इस एमएमएस की वजह से काफी ट्रोल होना पड़ रहा है। आलम ये है कि उन्हें अपना कमेंट सेक्शन ऑफ करना पड़ गया। एक तरफ जहां त्रिशाकर मधु ने माना कि इस वीडियों में वो ही थीं और उनसे गलती हुई वहीं दूसरी तरफ प्रियंका पंडित का कहना है कि उनका उस वीडियो से कोई लेना देना नहीं है। आपको बता दें कि प्रियंका की पहली फिल्म जीना तेरी गली से साल 2013 में रिलीज हुई थी। तब से अब तक वे कई भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अब तक दुश्मन की नली राम और अली, आवारा बालम, पवन पुत्र, इच्छादारी जैसी कई फिल्मों में काम किया है। वहीं त्रिशाकर मधु की बात करें तो वो कंट्रोवर्सी के बाद और ज्यादा पॉपुलर हो गई हैं। रातों रात उनको कई फॉलोवर्स बढ़ गए। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने MMS लीक होने के बाद भी कई सारे रील्स शेयर किए हैं। जिसपर लोग आपत्तिजनक कमेंट्स कर रहे हैं।

अमिताभ के घर में पानी की किल्लत, बोले- 'सुबह उठा तो पानी नहीं आ रहा था...मुश्किल भरा रहा दिन'

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के घर में पानी की किल्लत हो रही है। उनका कहना है कि जब वो सुबह उठे तो पानी नहीं आ रहा था जिस कारण पूरा दिन परेशानी में बीता। अमिताभ ने इस घरेलू समस्या को अपने फैंस को बताने के लिए उनसे माफी भी मांगी। उन्होंने अपने फैंस से माफी मांगते हुए कहा, 'ओह डियर, इस घरेलू समस्या में आपको शामिल करने के लिए मैं माफी चाहता हूं। ठीक है, अब नहीं बोलूंगा...। आज का दिन मुश्किल भरा रहा।'अमिताभ ने अपने घर में पानी के किल्लत की जानकारी अपने ब्लॉग के जरिए दी है। आपको बता दें कि बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर काफी सक्रिय रहते हैं और अपने विचारों को वहां फैंस के साथ साझा करते हैं। अक्सर आपने देखा होगा कि अमिताभ किसी भी विषय पर अपना ओपिनियन अपने ब्लॉग के जरिए ही रखते हैं। इस बार उन्होंने पानी की किल्लत के बारे में ब्लॉग के जरिए पाठकों को जानकारी दी। अमिताभ अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। पुराने फिल्मों की यादों को अक्सर साझा करते रहते हैं। वो इस वक्त केबीसी का 13वां सीजन होस्ट कर रहे हैं, जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है।

वेब सिरीज़ 'द लास्ट लेटर' का ट्रेलर रिलिज़

राइटर, डायरेक्टर गोविन्द मिश्रा की आने वाली वेब सिरीज़ 'द लास्ट लेटर' का मुम्बई के मलाड में ट्रेलर रिलीज़ किया गया। जहाँ टीम के कलाकार के साथ एडीटीर, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर, कास्टिंग डायरेक्टर भी मौजूद थे।

गोविन्द मिश्रा बताते हैं कि ये उन का पहला वेब सीरीज़ है। जिसको लेकर वो बहुत उत्साहित है, और अब इसका प्रमोशन ज़ोर-शोर से स्टार्ट हो गया है। द लास्ट लेटर एक पागल आदमी की कहानी है, जो अपनी ज़िंदगी से तंग आकर सुसाइड करने जाता है, तभी उसे एक चिट्ठी मिलती है, आख़िर क्या था उस चिट्ठी में, उसने सुसाइड किया कि नहीं ये जानने के लिए आप को द लास्ट लेटर देखना होगा, ये सिरीज़ अगस्त महीने के आखिरी सप्ताह में एम एक्स प्लेयर पे रिलीज़ होगा।

इस से पहले गोविन्द मिश्रा बहुत सारे शार्ट फ़िल्म, एड फ़िल्म, फ़ीचर फ़िल्म का लेखन निर्देशन किया है, उनकी फ़िल्म बहुत सारी नेशनल-इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई है। उनकी पिछली हिंदी फिल्म "आई एम नॉट ब्लाइंड थी" जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया था।

द लास्ट लेटर के मुख्य किरदार में अजय आनंद, गोविन्द मिश्रा, सलोनी रेज़, दिखाई देंगे। । पूरे सिरीज़ की शूटिंग मुम्बई में की गई है।

फिल्म 'पठान' में शाहरुख और दीपिका पर फिल्माया जाएगा ये भव्य गाना, स्पेन में शूटिंग की तैयारियां शुरु

यशराज फिल्म्स के कर्ताधर्ता और फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा का जासूसी दुनिया का पहला सिरा मुंबई में शुरू होकर अब रूस पहुंच चुका है, जहां सलमान खान और कैटरीना कैफ अपनी फिल्म 'टाइगर 3' की शूटिंग कर रहे हैं। इस जासूसी दुनिया का विस्तार जल्द ही स्पेन तक होने वाला है। स्पेन में निर्देशक सिद्धार्थ आनंद अपनी अगली फिल्म 'पठान' की शूटिंग करने की तैयारियां शुरू कर चुके हैं। रूस के बाद सलमान व कैटरीना को भी दूसरे यूरोपीय देशों में फिल्म 'टाइगर 3' की शूटिंग करने निकलना है। ये बात तो आप पहले से जानते हैं कि आदित्य चोपड़ा की जासूसी दुनिया के तमाम जासूसों का मिलन फिल्म 'पठान' में होने वाला है। बहुत संभव है कि 'टाइगर' और 'पठान' की अगली मुलाकात स्पेन में हो।जानकारी के मुताबिक आदित्य चोपड़ा और सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'वार' में बनी हिट जोड़ी अपनी अगली 'पठान' को हिंदी सिनेमा की भव्यतम फिल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस फिल्म का लंबा शेड्यूल मुंबई में हो चुका है। फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग दुबई में होने की चर्चा रही है लेकिन अब इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि फिल्म 'पठान' की शूटिंग के लिए शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जल्द ही स्पेन पहुंचने वाले हैं।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक स्पेन में यशराज फिल्म्स की फिल्म 'पठान' के न सिर्फ महत्वपूर्ण हिस्सों की शूटिंग होगी बल्कि वहां विशाल स्तर पर एक भव्य गाने की शूटिंग की भी तैयारियां चल रही हैं। शाहरुख खान लंबे अरसे से बड़े परदे से दूर हैं। बीच में उनके फिल्म 'रॉकेट्री' में किए गए स्पेशल अपीयरेंस से इस साल अपने प्रशंसकों के बीच आने की खुशखबरी आई थी लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के चलते इस फिल्म की रिलीज भी अनिश्चितकाल के लिए टल गई। इस फिल्म में शाहरुख का काफी लंबा रोल बताया जाता है और वह फिल्म की पहली रील से लेकर आखिरी रील तक मौजूद बताए जाते हैं। फिल्म 'पठान' की स्पेन में शूटिंग के बारे में जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक, इन जगहों पर किसी भी हिंदी फिल्म के सांग सीक्वेंस की शूटिंग आज तक नहीं हुई है। सिद्धार्थ आनंद स्पेन में इस शानदार गाने की शूटिंग करेंगे।

बिग बॉस ओटीटी-दिव्या अग्रवाल ने करण जौहर को सुनाई खरी खोटी

वीकेंड पर बिग बॉस ओटीटी पर होस्ट करण जौहर ने कंटेस्टेंट दिव्या अग्रवाल को फटकार लगाई। दरअसल शो में करण, शमिता शेट्टी का समर्थन करते हैं। जबकि दिव्या के ऊपर वो गलत आरोप लगाते हैं। जिसकी वजह से दिव्या को घर में रहने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अब दिव्या अग्रवाल ने भी करण जौहर के ऊपर अपना गुस्सा जताया और कहा कि वो अपने आप को बॉलीवुड का राजा मानते हैं। दिव्या हुई करण से नराज अक्षरा सिंह के साथ बातचीत के दौरान, दिव्या ने करण के बारे में कहा, "करण जौहर ने मेरे बारे में ऐसी बातें बोलीं हैं, जिसकी वजह से मुझे यहां पर झेलना पड़ा रहा है। फिर मैं क्यों न चिल्लाऊं क्यों न बोलूं, कौन मेरा क्या बिगाड़ लेगा?" उन्होंने आगे कहा, "तुम मानते हो कि तुम बॉलीवुड के राजा हो, तो तुम्हारे मुहं से निकला हुआ हर शब्द लोग सुनते समझते हैं। वो बिल्कुल तुम जो बोलोगे लोग उस पर भरोसा करेंगे। तुम मेरे बारे में ऐसा कैसे बोल सकते हो? करण ने दिव्या को शो में लाइन को बनाए रखने को कहा वीकेंड के एपिसोड में करण ने दिव्या से कहा था कि वो शो की कंटेस्टेंट हैं और करण शो के होस्ट हैं, और उन्हें उस लाइन को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने उन पर जानबूझकर राकेश बापट और शमिता शेट्टी के बीच दरार पैदा करने का भी आरोप लगाया,

बॉलीवुड के बेस्ट मोनोलॉग-चेहरे में अमिताभ बच्चन ने बोला 8 मिनट का मोनोलॉग, ये बॉलीवुड एक्टर भी लंबे डायलॉग बोलकर लूट चुके हैं तारीफें

सनी देओल- तारीख पे तारीख.... तारीख पे तारीख....

नाना पाटेकर- आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने

कार्तिक आर्यन- प्रॉब्लम? प्रॉब्लम ये है कि वो लड़की है

अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी, रिया चक्रवर्ती और क्रिस्टल डिसूजा स्टारर फिल्म 27 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में बॉलीवुड के महानायक ने महिला सुरक्षा पर 8 मिनट का मोनोलॉग बोलकर हर किसी की दिल जीत लिया है। इस डायलॉग को खुद बिग बी ने लिखा है जिसे उन्होंने एक टेक में शूट किया था। चेहरे फिल्म के 8 मिनट के इस मोनोलॉग ने सबसे लंबे मोनोलॉग का रिकॉर्ड बना लिया। अमिताभ बच्चन से पहले भी कई बॉलीवुड एक्टर्स फिल्मों में लंबे डायलॉग बोलकर दर्शकों की तारीफें लूट चुके हैं। आइए जानते हैं वो एक्टर और उनके डायलॉग कैसे हैं-

कार्तिक आर्यन

फिल्म- प्यार का पंचनामा

लव रंजन की फिल्म प्यार का पंचनामा ने कार्तिक आर्यन को खूब फेम दिलाया था। इस फिल्म में कार्तिक ने लड़कियों पर 7 मिनट का लंबा मोनोलॉग बोला था जो आज भी हर किसी की जुबान पर है। ये फिल्म साल 2011 में रिलीज हुई थी जिसमें नुरसत भरुचा, सोनाली सहगल, इशिता राज शर्मा, दिव्येंदु शर्मा जैसे एक्टर लीड रोल में थे।

सनी देओल फिल्म- दामिनी

साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म दामिनी का डायलॉग तारीख पे तारीख बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन डायलॉग में से एक है। वकील बने सनी देओल ने अपनी दमदार आवाज में इस डायलॉग को हमेशा के लिए जिंदा कर दिया है। इस फिल्म में मिनाक्षी शेषाद्रि, ऋषि कपूर और अमरीश पुरी अहम किरदारों में थे। नाना पाटेकर फिल्म- क्रांतिवीर नाना पाटेकर ने फिल्म क्रांतिवीर में 6 मिनट के क्लाइमेक्स सीन में 3 मिनट तक लगातार डायलॉग बोले थे। इसका डायलॉग- आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने खूब पॉपुलर हुआ था जो आज भी मीमर्स द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।शाहरुख खान फिल्म- चक दे इंडिया हॉकी पर बनी फिल्म चक दे इंडिया में शाहरुख खान ने कोच की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के क्लामैक्स सीन में शाहरुख ने अपनी टीम का हौंसला बढ़ाते हुए लंबा मोनोलॉग कहा था जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

जब शमिता शेट्टी ने राकेश बापट से कहा- 'इधर आओ और मुझे 'किस' दो'...फिर हुआ ऐसा कुछ

बिग बॉस ओटीटी में शमिता शेट्टी और राकेश बापट की केमिस्ट्री प्रशंसकों के बीच अटकलों को हवा दे रही है। ऐसा लग रहा है जैसे शमिता शेट्टी और राकेश बापट के बीच कुछ चल रहा हो। शमिता शेट्टी खुलकर राकेश बापट पर प्यार न्यौछावर कर रही हैं। एक वीडियो प्रोमो में भी दिखाया गया था कि बिग बॉस ओटीटी में कैसे उनका रिश्ता विकसित हो रहा है।वीडियो में शमिता शेट्टी को खाना खाते हुए दिखाया गया है। वहीं, राकेश बापट माइक्रोवेव में कुछ खाना गर्म कर रहे हैं। तभी शमिता शेट्टी राकेश बापट से कहती हैं, उस्को पुरा गर्म मत करना। अन्यथा यह जल जाएगा। तभी सफेद कुर्ता पहने हुए राकेश पूछते हैं, 'और कुछ?' शमिता इस पर एक सेकंड तक के लिए राकेश को देखती हैं और फिर कहती हैं 'आपको कोई समस्या है? मैं यह नहीं करूंगी।' इस पर राकेश बापट कहते हैं उन्हें कोई समस्या नहीं है, मैं बस पूछ रहा था कि क्या तुम्हारे पास कहने के लिए कुछ और है। तभी शमिता थोड़ा मुस्कराती हैं और कहती हैं 'यहां आओ और मुझे अभी एक 'किस' दोष इस पर राकेश बापेट उनका आभार व्यक्त करते हैं। पास ही खड़ी नेहा भसीन कहती हैं 'बहुत प्यारी' तभी शमिता कहती हैं कि सिर्फ इसलिए कि वह प्यारा लग रहा है ना... और अपने खाने के पास वापस आ जाती हैं। ऐसा नहीं है कि यह पहला मौका था इससे पहले भी कई बार दर्शकों ने राकेश बापट और शमिता शेट्टी को एक-दूसरे के साख फ्लर्ट करते हुए देखा है। इससे पहले भी राकेश बापट ने एक बार शमिता शेट्टी को किस किया था। एक बार तो वह शमिता शेट्टी के बिस्तर पर कूद गये थे और उन्होंने पूछा था कि क्या मैं यहां सो सकता हूं। राकेश बापट और शमिता शेट्टी को एक-दूसरे के साथ कई बार इमोशन पल शेयर करते हुए देखा गया है। एक बार जब शमिता टास्क के दौरान निशांत भट के साथ बहस में उलझ गईं थी और उस वक्त राकेश ने शमिता को शांत किया था।

B.VOC. डिग्री प्रोग्राम समय की मांग है

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

B.Voc (बैचलर ऑफ वोकेशनल डिग्री) पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए कई क्षेत्रों में उपलब्ध हैं, जिन्होंने अपनी 12 वीं कक्षा या समकक्ष पूरा कर लिया है। यह मुख्य रूप से उन युवाओं के लिए लक्षित है जो सीखने, कमाने और बढ़ने के लिए अपने रोजगार के अवसरों को बढ़ाना चाहते हैं। कार्य अनुभव से नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। आपको विशेषज्ञता के नवीन, ट्रेंडी और नए क्षेत्र भी मिल सकते हैं जो आपकी रुचियों और नौकरी की आकांक्षाओं से मेल खाते हों।

बी वोक। अन्य स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालयों और कॉलेजों द्वारा कार्यक्रम पेश किए जाते हैं। हालांकि, पारंपरिक यूजी पाठ्यक्रमों के विपरीत, बी. वोक पाठ्यक्रम को अक्सर राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुसार नौकरी की भूमिका के विवरण के साथ मैप किया जाता है। कई कॉलेज विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के साथ सहयोग करके B.Voc पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए आगे आए हैं। पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्र उद्योग में व्यावहारिक कार्य करते हैं और कॉलेज में सिद्धांत कक्षाओं में भाग लेते हैं। ज्यादातर मामलों में उन्हें उन संगठनों द्वारा वजीफा भी दिया जाता है जिनके लिए वे काम करते हैं। उनमें से अधिकांश अपने पाठ्यक्रम के अंत तक इन संगठनों द्वारा अवशोषित हो जाते हैं।

संक्षेप में, बी. वोक पाठ्यक्रमों के लाभ यह हैं कि वे यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि शिक्षार्थियों के पास पर्याप्त कौशल हैं, उन्हें काम के लिए तैयार करते हैं और स्नातक छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाते हैं। पाठ्यक्रम की एक अनूठी विशेषता व्यावसायिक और व्यवसाय प्रबंधन अवधारणाओं का मिश्रण है। यह उच्च शिक्षा प्रणाली विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं को लचीले ढंग से शामिल करती है जो समग्र और अच्छी तरह से तैयार स्नातकों को विकसित करती है और इस प्रकार अर्थव्यवस्था की उभरती जरूरतों को पूरा करती है। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in जा सकते हैं।

अब गरीब रथ का सफर होगा और भी सस्ता, लगेंगे इकोनॉमी क्लास एसी-3 कोच, इन सुविधाओं से होंगी लैस

गरीब रथ में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। सूत्रों के अनुसार लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान लॉन्च किए गए पुराने डिब्बों को अब नए एसी-3 इकोनॉमी क्लास डिब्बों से बदला जाएगा। वहीं इसका किराया भी अब कम हो जाएगा। जानकारी के अनुसार यात्रियों को अब आठ फीसदी कम किराया चुकाना होगा। यानी कि अगर किराया 1000 रुपये होगा तो इस कोच के लगने के बाद 80 रुपये कम चुकाने होंगे।जानकारी के अनुसार गरीब रथ ट्रेनों में रेलवे इन नए कोचों का इस्तेमाल सिर्फ एसी-3 इकोनॉमी कोच के रूप में करेगा। इससे एसी क्लास में यात्रा कम किराए में सुलभ हो जाएगी। भारतीय रेलवे के अनुसार इस समय 26 जोड़ी गरीब रथ ट्रेनें चल रही हैं। वहीं इन ट्रेनों के लिए भारतीय रेलवे के पास 25 रेक हैं।

रेलवे की योजना इन रेक को एक-एक करके हटाने और इनकी जगह एसी-3 इकोनॉमी कोच लगाने की है।कपूरथला रेल कोच फैक्ट्री में चल रहा है निर्माणफिलहाल रेलवे की कपूरथला रेल कोच फैक्ट्री में एसी-3 इकोनॉमी क्लास के 50 कोच बनाए जा चुके हैं। इन कोचों को देश भर के अलग-अलग रेलवे जोन में भेजा गया है। अब इन्हें अलग-अलग ट्रेनों में लगाने की योजना है। इसके साथ ही रेलवे की आने वाले साल में 800 एसी-3 इकोनॉमी कोच बनाने की योजना है।इनमें इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई के 300 कोच, मॉडर्न कोच फैक्ट्री रायबरेली के 285 कोच और रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला के 177 कोच शामिल हैं। एसी-3 टियर इकोनॉमी क्लास में 83 बर्थ हैं। इसके लिए दो की जगह तीन बर्थ को साइड में रखा गया है। जबकि एसी-3 में 72 बर्थ हैं। यानी एसी-3 इकोनॉमी क्लास में एसी-3 के मुकाबले करीब 15 फीसदी ज्यादा बर्थ हैं। इसका मतलब है कि एसी-3 इकोनॉमी क्लास के डिब्बों से रेलवे को ज्यादा फायदा होने वाला है।

भारत समेत दुनिया के कई देशों में एक साथ ठप रहने के बाद ट्विटर और ट्वीटडेक की सेवाएं शुरू

माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर और ट्वीटडेक एक साथ ठप पड़ गए हैं। भारत समेत दुनिया के कई देशों में ट्विटर डाउन हुआ है। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक शुक्रवार की शाम से ही ट्विटर में लोगों को दिक्कते आ रही हैं। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक 74 फीसदी यूजर्स ने वेबसाइट को लेकर शिकायत की है, जबकि 13 फीसदी लोगों को सर्वर कनेक्शन की दिक्कत हो रही है और 13 फीसदी यूजर्स ट्विटर एप इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। मोबाइल एप के यूजर्स की ना प्रोफाइल खुल रही है और ना ही यूजर्स फीड देख पा रहे हैं। यही हालत ट्विटर वेब और ट्वीटडेक की भी है। ट्वीटडेक के साथ Sorry, something went wrong. Please try again later का मैसेज मिल रहा है। कुछ यूजर्स की फीड काफी समय में लोड हो रही है, हालांकि किसी ट्वीट पर क्लिक करने पर कुछ नहीं ओपन हो रहा है। ट्विटर वेब पर ट्रेंडिंग टॉपिक्स दिख रहे हैं, लेकिन क्लिक करने के बाद काफी देर तक कोई रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा।

मुंबई के एक अनाथालय में फूटा कोरोना बम, 22 बच्चे हुए कोरोना पॉजिटिव

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के सेंट जोसेफ स्कूल एवं अनाथालय में कोरोना बम फूटा है। यहां के 95 बच्चों में से 22 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। मुंबई मनपा प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। मुंबई मनपा की ओर से बताया गया है कि 24 अगस्त को इस अनाथालय में कैंप लगाकर कोरोना टेस्ट किया गया है। इस दौरान 95 बच्चों में से 22 की रिपोर्ट 25 अगस्त को पॉजिटिव पाई गई। कोरोना पॉजिटिव पाए गए बच्चों में चार की उम्र 12 वर्ष से कम होने की वजह से उन्हें नायर अस्पताल के पेडियाट्रिक केयर सेंटर में रखा गया है। इसके अलावा 18 बच्चों को रिचर्डसन एंड क्रूडस कोविड केयर सेंटर में रखा गया है। इन 18 कोरोना पॉजिटिव बच्चों में 12 की उम्र 12-18 वर्ष और 6 बच्चे 18 साल से अधिक उम्र के हैं। मुंबई मनपा प्रशासन ने सभी बच्चों की तबीयत स्थिर होने की जानकारी दी है।

शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ उत्पीड़न संबंधी महिला की अर्जी खारिज

मुंबई, बांबे हाई कोर्ट ने बुधवार को 39 वर्षीय उस महिला की याचिका खारिज कर दी, जिसने शिवसेना सांसद संजय राउत व अपने पति के इशारे पर कुछ लोगों द्वारा पीछा किए जाने का आरोप लगाया था। महिला ने कोर्ट से वर्ष 2013 व 2018 में अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराए गए मामलों की जांच के लिए पुलिस को आदेश देने तथा पुलिस उपायुक्त जोन-आठ के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया था। जस्टिस एसएस शिंदे व जस्टिस एनजे जमादार की पीठ ने 22 जुलाई को महिला की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने बुधवार को याचिकाकर्ता को दो मामलों में पुलिस द्वारा दाखिल ए-समरी रिपोर्ट और तीसरी में एक आरोप पत्र से जुड़ी उसकी शिकायत को कानून की प्रक्रिया का पालन करते हुए उचित अधीनस्थ अदालत के समक्ष उठाने का निर्देश दिया। आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त सुबूत के अभाव में किसी मामले की जांच बंद किए जाने को ए-समरी रिपोर्ट कहा जाता है। हाई कोर्ट ने 22 जून को मुंबई पुलिस आयुक्त को महिला द्वारा की गई शिकायत की जांच करने व रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। गौरतलब है कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार स्थिर है। उनके मुताबिक, विपक्ष की बातों में कोई सच्चाई नहीं है। सत्तारूढ़ गठबंधन कोई खतरा नहीं है। संजय राउत की टिप्पणी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार की मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात के एक दिन बाद आई है। संजय राउत ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि सब ठीक है।

एमवीए सरकार को कोई खतरा नहीं है। सरकार को किसी भी तरह के खतरे के विपक्ष के प्रचार में कोई सच्चाई नहीं है। सीएम उद्धव ठाकरे और राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर संजय राउत ने कहा कि उन्होंने मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि गठबंधन के दो बड़े नेता मुख्यमंत्री और सरकार के मुख्य मार्गदर्शक मिले। राउत ने कहा कि उन्होंने बैठक के बाद पवार से भी बात की।

गणेशोत्सव पर इस साल भी कोरोना का साया

बीएमसी ने सिर्फ 519 गणपति पंडालों को दी अनुमति

मुंबई, कोरोना महामारी आने के बाद बीते डेढ़ साल से त्योहारों में पहले जैसी रौनक देखने को नहीं मिल रही है। इसका असर महाराष्ट्र के दो सबसे बड़े त्यौहार गणेशोत्सव और दही-हांडी पर भी देखने को मिल रहा है। पिछले साल की तरह इस साल भी गणेशोत्सव और दही-हांडी कोरोना के साये में मनेंगे। कोरोना के चलते बहुत कम गणपति पांडलों को इजाजत दी गई है। जिनको इजाजत दी गई है, उनको भी कई तरह की सावधानियां रखनी होगी। मुंबई में 10 सितंबर से शुरू हो रहे गणेशोत्सव को लेकर बीएमसी ने फैसला लिया है कि इस साल भी कोविड नियमों का पालन करते हुए ही गणेशोत्सव मनाया जाएगा। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) के पास पंडाल लगाने के लिए इस साल कुल 1273 मंडल के आवेदन आए थे लेकिन कोविड महामारी को देखते हुए 519 पंडालों को ही अनुमति दी गई है यानी जितने आवेदन आए, उसमें से सिर्फ 16 फीसदी पंडालों को ही बीएमसी ने अनुमति दी है। बीएमसी की ओर से कहा गया है कि दो साल पहले (कोरोना महामारी से पहले) 3000 के करीब आवेदन आया करते थे, जो अब आधे भी नहीं रह गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने गणेश उत्सव के लिए इस साल जो गाइडलाइन जारी की है, उसके अनुसार सार्वजनिक गणेश मंडल में बप्पा की मूर्तियों का आकार 4 फुट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। वहीं घरों में गणपति बप्पा की जिन मूर्तियों को लाया जाएगा उनकी ऊंचाई 2 फुट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा बप्पा का विसर्जन कृत्रिम तालाब में किया जाए और मंडप में भीड़ नहीं होने दी जाए।

मुंबई की पॉश सोसाइटी में मिले 17 कोरोना मरीज

मुंबई में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ने लगी है, जिसके साथ बीएमसी की चिंताएं भी बढ़ने लगी हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि महानगरपालिका आर दक्षिण विभाग में एक ही सोसाइटी में 17 कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद पूरी सोसाइटी को सील कर दिया गया है। इसके अलावा बीएमसी को उपनगर में पांच डेल्टा प्लस मामले भी मिले हैं। दरसअल,, कांदीवली आर दक्षिण विभाग के वार्ड ऑफिसर संध्या नांदेड़कर ने बताया कि कुछ दिन पहले कांदीवली के महावीर नगर वीना गीत संगीत सोसाइटी में 17 कोरोना संक्रमित मामले मिले थे।

इन 30 रेलवे स्टेशनों पर बच नहीं पाएंगे, मास्क में भी हो जाएगी पहचान

नई दिल्ली, 27 अगस्त: रेलवे और रेल यात्रियों की सुरक्षा के प्रति लगता है कि केंद्र सरकार बहुत ही ज्यादा सजग हो रही है। अब महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर ऐसे सर्विलांस कैमरे लगाए गए हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से दर्जनों की भीड़ में भी लोगों की पहचान करने में सक्षम हैं। फिलहाल इसे उन 30 रेलवे स्टेशनों पर लगाया गया है, जहां डेली पैसेंजरों की बहुत ज्यादा भीड़ रहती है। आने वाले वक्त में इसे बाकी स्टेशनों पर भी लगाने की संभावना है। अभी जो सिस्टम लगाए गए हैं वह रूसी कंपनी ने इंस्टॉल किए हैं। रेल यात्रियों की पहचान कर लेंगे कैमरे दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक भारतीय रेलवे ने हर दिन लाखों यात्रियों को ट्रैक करने के लिए लगभग 500 चेहरा पहचानने वाले कैमरे लगाए हैं। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह सिस्टम रूसी स्टार्ट-अप एनटेकलैब ने विकसित किए हैं। वनइंडिया इस रिपोर्ट की संबंधित अधिकारियों से स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार सर्विलांस का दायरा बढ़ा रही है और शायद यह कोशिश उसी की एक कड़ी है, ताकि रेल नेटवर्क को किसी भी खतरे से सुरक्षित किया जा सके। पिछले महीने 30 स्टेशनों पर शुरू हुई पहचान रूसी फर्म की ओर से विकसित किए गया यह सिस्टम पिछले महीने देश के 30 भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर लाइव था। इस सिस्टम को फिलहाल महानगरीय इलाकों में डेली पैसेंजरों पर नजर रखने के लिए लगाया गया है, जिसमें ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के रेलवे स्टेशन शामिल हैं, जिसमें मायानगरी मुंबई भी एक है। मुंबई के उपनगरीय ट्रेनों से आमतौर पर रोजाना 70 लाख से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। पहचानने वाले कैमरों से क्या मदद मिलेगी ? एनटेकलैब के चीफ एक्जिक्यूटिव एंड्रयू तेलेंकोव ने कहा है कि उनका यह सिस्टम कैमरे के एक फ्रेम में एकसाथ 50 लोगों तक की पहचान कर सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर किसी रेल यात्री ने मेडिकल मास्क पहन रखी है, फिर भी उसे इस कैमरे की मदद से पहचाना जा सकता है। यही नहीं इन कैमरों की मदद से किसी भी समय यात्रियों की संख्या की भी गिनती की जा सकती है। तेलेंकोव के मुताबिक इस तकनीक की मदद से अपराधियों की भी पहचान हो सकती है, लाइफ फुटेज के जरिए चुनिंदा लोगों को खोजने में मदद मिल सकती है और गुमशुदा लोगों की भी तलाश की जा सकती है। एनटेकलैब रूस में ऐसे कई प्रोजेक्ट पर पहले से काम कर रहा है और अकेले मास्को शहर में स्थानीय सरकार की ओर से उसने ऐसे 1,50,000 से ज्यादा कैमरे लगा रखे हैं। एंड्रयू तेलेंकोव का कहना है कि 'वीडियो सर्विलांस के लिए भारत एक बहुत बड़ा बाजार है, विश्व में सबसे बड़ा है।.....अभी यह कुछ रेलवे स्टेशनों पर है, लेकिन मेरा मानना है कि वे पूरे नेटवर्क में इसका विस्तार करना चाहते हैं।'

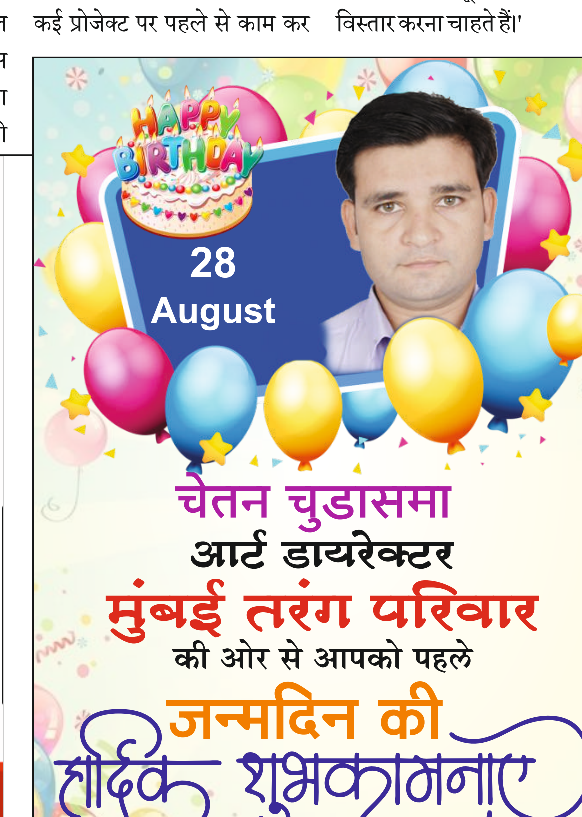

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।